ज्ञानामृत

कोई तुम्हारे काँधे पर हाथ रखता है तो तुम्हारा हौसला बढ़ता है पर जब किसी का हाथ काँधे पर नहीं होता तुम अपनी शक्ति खुद बन जाते हो और वही शक्ति ईश्वर है!

▶▶ रश्मि प्रभा

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, सोमवार, 19 मई 2025 | वर्ष-10 | अंक-154 | पेज-08 | मूल्य- ₹5.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

ईओएस-09 मिशन फेल, इसरो प्रमुख बोले 'हम वापसी करेंगे'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का ईओएस-09 मिशन तीसरे चरण में चूक गया। इसकी जानकारी इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने दी। इसे पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी-सी61) से लॉन्च किया गया था, जो कुछ ही मिनटों में असफल हो गया। आधिकारिक एक्स पोस्ट में बताया गया कि रविवार को 101वां प्रक्षेपण प्रयास किया गया, पीएसएलवी-सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य रहा। तीसरे चरण में तकनीकी खामी पेश आई जिससे वो चूक गया। इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने जानकारी दी कि पीएसएलवी के चार चरणों में से पहले दो चरणों का प्रदर्शन सामान्य रहा, लेकिन तीसरे चरण में तकनीकी खामी के कारण मिशन को पूरा नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा, हम विश्लेषण के बाद वापसी करेंगे।

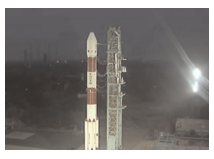

आईएसआई के बुलावे पर पाक गए थे गौरव गोगोई: सीएम सरमा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने एक बार फिर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई आईएसआई के बुलावे पर पाकिस्तान गए थे। उन्होंने पाकिस्तान की संस्था के साथ मिलकर काम किया। हमारे पास सारे सबूत हैं। हम 10 सितंबर तक हर सबूत पेश करेंगे। एक कार्यक्रम में सरमा ने कहा कि गौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। मैं यह पहली बार कह रहा हूं। हमारे पास इसके दस्तावेज हैं। वह पर्यटन के उद्देश्य से नहीं गए थे। वह निश्चित रूप से प्रशिक्षण लेने के लिए वहां गए थे। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता पाकिस्तान सरकार के सीधे निमंत्रण पर वहां गए थे और यह खतरनाक है।

'संसद रत्न' से सम्मानित होंगे देश के 17 सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 17 सांसदों और 2 संसदीय स्थायी समितियों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। ये पुरस्कार संसद में सक्रियता, बहस में भागीदारी, प्रश्न पूछने और विधायी कामकाज में योगदान के आधार पर दिए जाते हैं। यह पुरस्कार प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की तरफ से शुरू किया गया है। इस वर्ष के विजेताओं का चयन जूरी कमेटी ने किया, जिसकी अध्यक्षता हंसराज अहीर, (राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष) ने की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार उन सांसदों को दिए जाते हैं जिन्होंने लोकतंत्र को मजबूती देने के लिए संसद में उत्कृष्ट योगदान दिया है। चार सांसदों को संसदीय लोकतंत्र में उत्कृष्ट और सतत योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

आईएमएफ से पाकिस्तान पर लगाए 11 प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लगातार यह बात कह रहे थे कि आईएमएफ को पाकिस्तान को दिए जाने वाले कर्ज पर पुनर्विचार करना चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सहयोग की राशि को आतंकवाद को पालने-पोसने में इस्तेमाल करता रहा है। भारत के इस स्टैंड को एक मायने में सफलता मिलती हुई दिखाई दे रही है क्योंकि आईएमएफ ने पाकिस्तान को कर्ज देने के लिए 11 नए प्रतिबंधों का एलान कर दिया है। अब पाकिस्तान को घरेलू मोर्चे पर न केवल कुछ नए टैक्स लगाने होंगे, बल्कि उसके द्वारा दिए जा रहे सहयोग का विस्तृत लेखा-जोखा पेश करना होगा। इस कोशिश से आईएमएफ के द्वारा दिए गए धन का किसी भी तरह दुरुपयोग करने पर रोक लग सकती है।

मध्य प्रदेश के 700 स्कूलों में शुरू होगी व्यावसायिक शिक्षा

● विद्यालयों की संख्या 3000 से अधिक

भारत सरकार से विभाग के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में वर्तमान समय में बदलती मांग और जरूरतों को देखते हुए विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा से भी जोड़ने की अनूठी पहल की जा रही है। यह नवाचार समग्र शिक्षा अभियान लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल (डीपीआई) द्वारा किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लगभग 700 अतिरिक्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत लाए जाने की पहल की जा रही है। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर भारत सरकार को भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिल गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक और समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा के प्रभारी अभिनव आर्य ने बताया कि वर्तमान के 2383 विद्यालयों में यह पाठ्यक्रम पूर्व से संचालित हैं। नए प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद कुल व्यावसायिक शिक्षा संचालित विद्यालयों की संख्या 3000 से अधिक हो जाएगी। आर्य ने बताया कि वर्तमान सत्र में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में कुल नामांकित विद्यार्थियों की संख्या 4 लाख 6 हजार 585 है। इन विद्यार्थियों को 14 ट्रेड एवं 30 जॉब रोल्स के तहत शिक्षा दी जा रही है।

वर्तमान में प्रति विद्यालय 2 ट्रेड में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाती है

असिस्टेंट डॉयरेक्टर, समग्र शिक्षा अभियान, भोपाल के अभिनव आर्य ने बताया कि वर्तमान समय की मांग और भविष्य के बदलावों को देखते हुए विद्यार्थियों में स्किल्स डेवलपमेंट के लिए ऑनलाइन शॉर्ट टर्म व्यावसायिक कोर्स संचालित किए जाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रति विद्यालय 2 ट्रेड में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाती है, जिसके अंतर्गत व्यावसायिक कौशल के साथ साथ रोजगार कौशल विषय भी पढ़ाया जाता है। प्रत्येक विद्यालय में संबंधित ट्रेड की उन्नत लैब स्थापित की जाती है एवं औद्योगिक भ्रमण, अतिथि व्याख्यान, 80 घंटे की ऑन द जॉब ट्रेनिंग आदि के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है।

इनके लिए भेजा गया था प्रस्ताव

21वीं शताब्दी की मांग और बदलते परिदृश्य को देखते हुए नवीनतम जॉब रोल्स जैसे वेब डेवलपर, उन्नत कृषि को बढ़ावा देने हेतु कृषि ट्रेड अंतर्गत किसान ड्रोन ऑपरेटर, डेयरी एंटरप्रेन्योर, डेरी फार्मर, कन्स्ट्रकशन ट्रेड के अंतर्गत सहायक राजमिस्त्री, एवं निर्माण पेंटर एंड डेकोरेटर, अपेरल ट्रेड के अंतर्गत असिस्टेंट डिजाइनर, फैशन, होम एंड मेकअप, आफिस एडमिनिस्ट्रेशन एंड फेसिलिटी के अंतर्गत आफिस असिस्टेंट एवं सीक्रेटरी के जॉब रोल्स प्रारम्भ किए जाना प्रस्तावित है। इसके लिए प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया था। अब इसे ही मंजूरी मिली है।

राज्य कर्मचारी संघ ने किया मुख्यमंत्री का अभिनंदन

मध्यप्रदेश के विकास की नींव हैं कर्मठ कर्मचारी: मुख्यमंत्री

कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना सहित कई सुविधाएं देने की घोषणा

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को राजधानी भोपाल स्थित रविंद्र भवन में आयोजित मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अभिनंदन समारोह में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की प्रगति और सुशासन की बुनियाद कर्मठ कर्मचारियों पर टिकी है। उन्होंने इस मौके पर कर्मचारियों के कल्याण के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को मंजूरी देने की घोषणा की और कहा कि राज्य सरकार उनके हितों के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. यादव ने कहा कि आम आदमी के जीवन को सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए सुव्यवस्था जरूरी है, और इसे लागू करने में सबसे अहम भूमिका राज्य के कर्मचारियों की होती है। उन्होंने कर्मचारियों को सच्चे कर्मयोगी बताते हुए कहा कि उनकी निष्ठा और परिश्रम से ही प्रदेश जनकल्याण के पथ पर अग्रसर हुआ है। कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए, और बड़ी मालाओं से उनका स्वागत हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की तर्ज पर राज्य के कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा नौ साल से लंबित हाउस रेंट अलाउंस की मांग भी पूरी कर दी गई है। डॉ. यादव ने बताया कि कर्मचारियों के स्थानांतरण को लेकर भी नई नीति लागू की गई है जिससे उनके और उनके परिवार की सुविधा सुनिश्चित हो सके। डॉ. यादव ने मंच से यह भी कहा कि विशेष अभियानों के जरिए पुलिस सहित अन्य विभागों में रिक्त पदों पर भर्तियां की जा रही हैं। शासकीय आवास की सुविधा को प्राथमिकता दी जा रही है और हाल ही में न्यू मार्केट क्षेत्र में बने 3000 नए आवासों का लोकार्पण कर कर्मचारियों को सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह भी घोषणा की कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मिनी आंगनवाड़ी कर्मियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास, दुग्ध उत्पादन, परिवहन और अधोसंरचना में सुधार से प्रदेश में रोजगार और जीवनस्तर बेहतर हो रहा है।

यूएस से भेजे जाने वाले पैसों पर 5% टैक्स लगाने के तैयारी में ट्रम्प

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका की डोनाल्ड ट्रंप सरकार उस पैसे पर पांच फीसदी कर लगाने की योजना बना रही है, जो विदेशी नागरिक अपने देशों में भेजते हैं। इस पर भारत में चिंता जताई जा रही है, क्योंकि इससे भारतीय परिवारों की आय पर असर पड सकता है। जीटीआरआई ने रविवार को यह बात कही। प्रतिनिधि सभा में 12 मई को एक विधेयक पेश किया गया था। जिसे द वन बिग ब्यूटीफुल बिल कहा जा रहा है। इसमें गैर-निवासियों की ओर से अपने देशों में भेजे जा रहे पैसे पर पांच फीसदी कर लगाने का प्रावधान किया गया है। यह प्रावधान उन लोगों पर लागू होगा, जो अमेरिका के नागरिक नहीं हैं, जैसे ग्रीन कार्ड धारक या अस्थायी वीजा पर काम करने वाले लोग।

पुलिस रिमांड में खुलासा: पहलगाम हमले से पहले पाक गई थी ज्योति

हिसार, एजेंसी। जासूसी के आरोप में पकड़ी गई हरियाणा के हिसार की ज्योति मल्होत्रा को लेकर अब तरह तरह के खुलासे हो रहे हैं। कोर्ट ने शनिवार को ही उसे पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा और माना जा रहा था कि पूछताछ में कई तरह के खुलासे होंगे। इस कड़ी में अब एक नई बात सामने आ रही है। एसपी हिसार शशांक कुमार सावन ने बताया कि पाकिस्तान उसे एक एसेट की तरह विकसित कर रहा था। इसके अलावा ज्योति प्रायोजित यात्राओं पर पाकिस्तान जाती थी। वह पहलगाम हमले से पहले पाकिस्तान में थी।

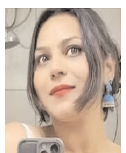

2029 तक देश की हर पंचायत में दो लाख पैक्स की स्थापना करेगी सरकार: शाह

अहमदाबाद, एजेंसी

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने रविवार को अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर आयोजित सहकारी महासम्मेलन कहा कि केंद्र सरकार ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने के लिए कई अहम कदम उठाये हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही नए पैक्स के पंजीकरण के लिए नीति लाएगी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार का लक्ष्य 2029 तक देश की हर पंचायत में पैक्स की स्थापना का है, इसके तहत दो लाख नई पैक्स और डेयरी शुरू की जाएंगी। साथ ही इन समितियों को 22 विभिन्न प्रकार के व्यवसायों से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा, यह बात भी सुनिश्चित की जाएगी कि पंजीकृत पैक्स वित्तीय रूप से कमजोर न हों। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही आर्थिक संकट का सामना कर रही पैक्स के निपटारे और नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के पंजीकरण के लिए जल्द ही एक नीति बनाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने शांति स्थापित कराने का झूठा दावा किया: खामेनेई

तेहरान, एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाल में किए उस दावे को झूठा करार दिया है। ट्रंप ने कहा था कि वह शांति सुनिश्चित करने के लिए अपने पावर का इस्तेमाल करना चाहते हैं। खामेनेई ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि गाजा पट्टी में हो रही हत्याओं को ट्रंप प्रशासन का समर्थन प्राप्त है। अयातुल्लाह अली खामेनेई ने तेहरान में शिक्षकों के साथ एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में उन्होंने पश्चिम एशिया के अपने दौरे के दौरान क्षेत्र में शांति की स्थापना के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया दी। तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियां वक्ता और अमेरिकी राष्ट्र दोनों का अपमान हैं।

नक्सल विरोधी अभियान पर विजय शर्मा का बड़ा दावा

राहुल गांधी की सोच क्लियर नहीं, वह पीठ पीछे गड़बड़ कर रहे हैं

विजय मत, जगदलपुर

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चल रहा है। नक्सल विरोधी अभियान को लेकर छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने विपक्ष पर हमला बोला है। विजय शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी पीठ पीछे गड़बड़ी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को लेकर राहुल गांधी की नीति स्पष्ट नहीं है। दरअसल, रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विजय शर्मा से सवाल किया गया था कि बीजापुर के करेंगुट्टा पहाड़ में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान तेलंगाना से उचित सहयोग क्यों नहीं मिला? इस सवाल के जवाब में गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि उन्हें लगता है राहुल गांधी पीठ पीछे गड़बड़ कर रहे हैं। राहुल गांधी की नक्सलवाद को लेकर सोच स्पष्ट नहीं है। देश के कई बड़े संकटों में से एक है नक्सलवाद और इसमें भी राहुल गांधी गड़बड़ कर रहे हैं। मेरे पास प्रमाण है जिनके आधार पर मैं यह बात कह रहा हूं।

सुरेश रैना ने की विराट कोहली को भारत रत्न देने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। विराट के इस फैसले से दुनियाभर के क्रिकेट फैंस हैरान थे। दिग्गजों ने भी विराट के इस फैसले पर सवाल खड़े किए थे। इसी बीच टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को देश का सबसे बड़ा खिताब देने की मांग की है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को भारत रत्न देने की बात कही है। कोहली ने देश के लिए बहुत कुछ किया है। रैना ने सरकार से यह मांग कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की है। सचिन तेंदुलकर अकेले भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्हें 2014 में भारत रत्न मिला था। रैना ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि विराट कोहली ने भारत और भारतीय क्रिकेट के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए।

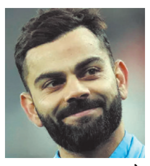

'याचना नहीं, अब रण होगा', इंडियन नेवी ने वीडियो जारी कर पाकिस्तान को दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय नौसेना ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े एक नये वीडियो में को सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है। 44 सेकंड के वीडियो में भारतीय नौसेना अपनी ताकत का परिचय दे रही है। वीडियो के साथ नौसेना ने ट्वीट किया, ÷साहस को अपना मार्गदर्शक और कर्तव्य को अपना मार्गदर्शक मानते हुए, भारतीय नौसेना शांति सुनिश्चित करने और सभी खतरों को नष्ट करने के लिए तत्पर है।÷ वीडियो के बैकग्राउंड में रामधारी सिंह दिनकर की रचना रश्मिरथी के 'कृष्ण की चेतावनी' का पाठ किया जा रहा है। इसे आतंकवादियों और पाकिस्तान के लिए चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। वीडियो में बैकग्राउंड से आवाज आ रही है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर तबाही मचाते हुए आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया।

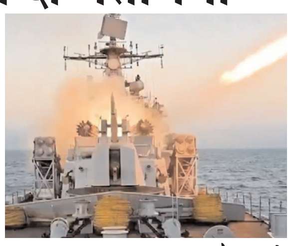

केरल बना देश का पहला राज्य

दसवीं के विद्यार्थियों के लिए रोबोटिक्स शिक्षा अनिवार्य की

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

केरल 02 जून से नए शैक्षणिक वर्ष से दसवीं कक्षा के सभी 4.3 लाख विद्यार्थियों के लिए रोबोटिक्स शिक्षा अनिवार्य करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। दसवीं कक्षा की सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईसीटी) पाठ्यपुस्तक में रोबोटिक्स को शामिल करने से विद्यार्थियों को आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से मौलिक रोबोटिक्स अवधारणाओं का पता लगाने में मदद मिलेगी। पहले खंड में 'रोबोट्स की दुनिया' नामक छठे अध्याय से इनमें सर्किट निर्माण, सेंसर और एक्ट्यूएटर्स का उपयोग करना और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नियंत्रित करना शामिल है। यह महत्वाकांक्षी पहल सभी सातवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए कृत्रिम बुद्धि (एआई) सीखने को सुलभ बनाने में केरल की पिछली सफलता पर आधारित है।

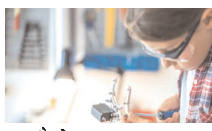

विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर टिप्पणी करने वालासहायक प्रोफेसर अली खान गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी

पाकिस्तान के खिलाफ भारत के आपरेशन सिंदूर की रोज प्रेस ब्रीफिंग करने वालीं कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले सहायक प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सोनीपत पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने गांव जठेड़ी के सरपंच का बयान दर्ज किया, उसके बाद सहायक प्रोफेसर को गिरफ्तार किया है। अपने बयान में सरपंच ने बताया कि सोशल मिडिया पर एक दोनों महिला सैन्य अधिकारी और सेना के खिलाफ एक आपत्तिजनक बयान पढ़ा था, जो सहायक प्रोफेसर महमूदाबाद की तरफ से किया गया था। इस मामले में राज्य महिला आयोग की तरफ से डीजीपी को शिकायत दी गई थी। राज्य महिला आयोग ने मध्य प्रदेश में एक मंत्री के खिलाफ हाईकोर्ट के टिप्पणी का हवाला देकर महमूदाबाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी।

भारत का संविधान सर्वोच्च है इसके स्तंभों को साथ मिलकर काम करना चाहिए : सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने रविवार को जोर देकर कहा कि न तो न्यायपालिका और न ही कार्यपालिका, बल्कि भारत का संविधान सर्वोच्च है और इसके स्तंभों को मिलकर काम करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें खुशी है कि देश न केवल मजबूत हुआ है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मोर्चों पर भी विकसित हुआ है और ऐसा करना जारी है। न्यायमूर्ति गवई, जिन्होंने इस सप्ताह की शुरूआत में 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी, ने अपने अभिनंदन समारोह और बार काउंसिल महाराष्ट्र एवं गोवा द्वारा आयोजित राज्य वकीलों के सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ÷न तो न्यायपालिका, न ही कार्यपालिका और न ही संसद सर्वोच्च है, बल्कि भारत का संविधान सर्वोच्च है और तीनों अंगों को संविधान के अनुसार काम करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश का बुनियादी ढांचा मजबूत है और संविधान के तीनों स्तंभ समान हैं। उन्होंने कहा, संविधान के सभी अंगों को एक-दूसरे के प्रति उचित सम्मान प्रदर्शित करना चाहिए। इस कार्यक्रम के दौरान न्यायमूर्ति गवई द्वारा सुनाए गए 50 उल्लेखनीय निर्णयों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

न्यूज इन शॉर्ट

गुमशुदा महिला को चचाई पुलिस ने बरामद कर परिजनों को सौंपा

अनूपपुर। थाना चचाई क्षेत्र अंतर्गत बरहाटोला से लापता हुई 25 वर्षीय महिला को पुलिस ने 11 दिन की तलाश के बाद दस्तयाब कर परिजनों को सकुशल सौंप दिया। गुमशुदा महिला की पहचान प्रेमवती सिंह पत्नी कृष्णा सिंह निवासी बरहाटोला, चौकी देवहरा थाना चचाई के रूप में हुई है। प्रेमवती के लापता होने की सूचना उसके पति कृष्णा सिंह द्वारा दिनांक 6 अप्रैल 2025 को थाना चचाई में दी गई थी, जिस पर गुम इंसान क्रमांक 09/25 दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान (ह्वक्क्) द्वारा जिले में गुमशुदा लोगों की शीघ्र तलाश कर परिजनों से मिलाने के निर्देश के पालन में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस टीम ने लगातार क्षेत्र में पतासाजी कर 17 मई को महिला को बरहाटोला क्षेत्र से दस्तयाब किया। महिला को सकुशल देखकर परिजनों की आंखों में खुशी साफ झलक रही थी। परिजनों ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता के लिए आभार व्यक्त किया।

इस कार्य में उप निरीक्षक रंगनाथ मिश्रा, प्रभारी पुलिस सहायता केंद्र देवहरा, एवं सउनि धर्मेंद्र महोविया की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने मेहनत और लगन से कार्य करते हुए महिला को तलाश कर परिजनों से मिलवाया।पुलिस ने एक बार फिर यह साबित किया है कि यदि संकल्प और संवेदनशीलता के साथ प्रयास किए जाएं, तो कोई भी व्यक्ति गुमशुदा नहीं रह सकता।

सीईओ जनपद पंचायत मानपुर ने की समीक्षा

उमरिया ।मुख्य कार्य पालन अधिकारी जनपद पंचायत मानपुर राजेन्द्र त्रिपाठी ने इंदवार, अमरपुर, तथा चिल्हारी सेक्टर की पंचायतो मे चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की ।उन्होने कहा कि जल की एक एक बूंद को सहेजने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है । अभियान के माध्यम से जल स्रोतो के आस पास , घाटो के आस पास श्रमदान करके गंदगी को हटाया जाए। साथ ही जल स्रोत के आस पास हुए अतिक्रमण को भी हटाने की भी कार्यवाही की जाए ।जल ही जीवन है , इस परिकल्पना के साथ सभी कार्य करें तभी हम जल की एक एक बूंद को सहेज पाएंगे ।

ब्लाक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक करकेली में आज

उमरिया ।जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने बताया कि ब्लाक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक 19 मई को जनपद पंचायत के सभागार में सायं 4 बजे से आयोजित की गई है ।बैठक में ऋण जमा अग्रिम साख अनुपात पर चर्चा, वित्तीयय साक्षरता अभियान एवं प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को ग्रामीण शाखाओ व्दारा शिविर आयोजन की चर्चा, जिला व्यापार उद्योग केंद्र उमरिया के योजनाओं की समीक्षा, एनयूएलएम अंतर्गत मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, स्व सहायता समूह के बैंक लिंकेज एवं प्रधानमंत्री स्व निधि योजना की समीक्षा, पशुपालन, मत्स्य, .षि विभागों के केसीसी के प्रगति की समीक्षा, एनआरएलएम विभाग अंतर्गत स्वि सहायता समूह बैंक लिंकेज एवं प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण योजना की समीक्षा, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना की समीक्षा, आदिवासी वित्त विकास विभाग की योजनाओं के प्रगति की समीक्षा, सीएम हेल्पलाइन लाइन लंबित शिकायतों की समीक्षा, एसबीआई आरसेटी उमरिया की समीक्षा सहित अन्य विषयों पर समीक्षा की जाएगी।

एकलव्य खो-खो अकादमी में ग्रीष्मकालीन खेल प्रतियोगिता का आयोजन

अनूपपुर। तुलसी महाविद्यालय परिसर में एकलव्य खो-खो अकादमी द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता प्रतिदिन दो सत्रों में - प्रातः 6 से 8 बजे तक तथा सायं 4 से 6 बजे तक - नियमित रूप से संचालित की जा रही है। इस आयोजन में 14 से 21 वर्ष की आयु वर्ग के खिलाड़ी निःशुल्क भाग ले सकते हैं। यह अवसर सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों सहित अन्य इच्छुक खिलाड़ियों के लिए भी खुला है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को पहचानना, प्रोत्साहित करना और निखारना है।प्रशिक्षण का संचालन प्रशिक्षक डॉ रामायण वर्मा, डॉ. इंद्र नारायण काछी, विवेक यादव, साक्षी पाठक एवं निखिल यादव, शिवानी केशवानी ,भारती धुर्वे ,धनीराम वनवासी,द्वारा किया जा रहा है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास-राज्य मंत्री जायसवाल

राज्य मंत्री ने ग्राम पिपराहा में कौशल उन्नयन प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण केंद्र का किया शुभारंभ

विजय मत, अनूपपुर

मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जयसवाल ने कहा कि कौशल उन्नयन प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यशालाएं निश्चित ही उन्हें सशक्त बनाएंगी। इस प्रकार की योजनाएं न केवल महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का मार्ग प्रशस्त करती हैं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने कहा कि अनूपपुर जिले के पिपरहा गांव में दरी निर्माण कार्य से जुड़ी महिलाओं को जो प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, वह ग्रामीण महिलाओं के जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। भविष्य में यह गांव दरी बनाने वाले शिल्पियों के लिए प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। ऐसी योजनाएं नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जो उन्हें न केवल रोजगार प्रदान करती हैं, बल्कि समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने में भी सहायक सिद्ध होती हैं। राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने आज अनूपपुर जिले के ग्राम पिपराहा में कौशल उन्नयन प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत 25 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारंभ कर संबोधित किया।

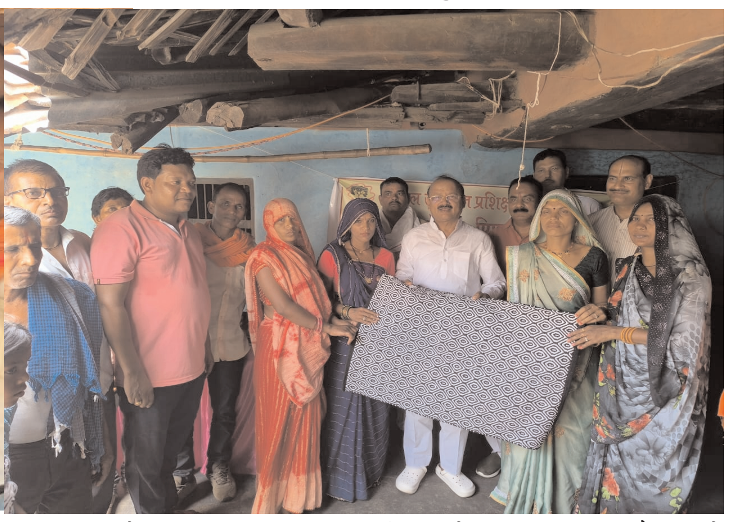

हथकरघा विभाग के प्रबंधक शिव शंकर पांडेय ने बताया कि पिपरहा गांव में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कौशल उन्नयन प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत 25 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में 10 दीदियों को प्रतिदिन 3 घंटे तक दरी निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। पांडेय ने जानकारी दी कि प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक दीदी को 3000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही, हथकरघा विभाग द्वारा सभी प्रतिभागियों को आवश्यक कच्चा माल भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे प्रशिक्षण के दौरान गुणवत्तापूर्ण दरी तैयार करना सीख सकें। प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात दीदियां स्वयं का कुटीर उद्योग प्रारंभ कर सकेंगी, जिसमें वे स्वतंत्र रूप से दरी निर्माण कर सकेंगी। उनके द्वारा निर्मित दरी को हथकरघा विभाग क्रय करेगा, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ प्राप्त होगा और वे स्वावलंबी बन सकेंगी। यह योजना नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक प्रयास है, जिससे ग्रामीण महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकेंगी, बल्कि समाज में एक सम्मानजनक स्थान भी प्राप्त करेंगी। इस दौरान दीदियां बड़ी संख्या में ग्रामीण तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर राजू यादव, पत्रकार, समूह की महिलाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

चुकान जंगल में ताश के पत्तों पर दांव लगा रहे थे जुआरी, पुलिस की दबिश, तीन को पकड़ा

विजय मत, अनूपपुर

पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान के निर्देशन और अति. पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी व एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में भालूमाड़ा पुलिस ने शनिवार को जुए के अड्डे पर बड़ी कार्रवाई की। थाना प्रभारी संजय खलको के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चुकान जंगल में छापामार कार्रवाई करते हुए ताश के पत्तों पर रुपयों से हार-जीत का दांव खेलते तीन लोगों को रंगे हाथ पकड़ा।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग जंगल के सुनसान इलाके में जुआ खेल रहे हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से 52 ताश के पत्ते और कुल ?15,050 नगद बरामद किए हैं। तीनों आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

ये हैं गिरफ्तार आरोपीः

राजीव राय उर्फ दादा पिता श्री गुरु प्रसाद राय, उम्र 38 वर्ष, निवासी ग्राम मलगा, थाना रामनगर,विजय कुमार पिता स्व. गुलाब चंद्र सिंह, उम्र 54 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 06, जमुना कालरी, थाना भालूमाड़ा,मल्लू सेन पिता चेतराम सेन, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम चुकान, थाना भालूमाड़ा को गिरफ्तार गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय खलको के साथ प्रधान आरक्षक 73 प्रदीप पांडेय, आरक्षक 501 स्वदेश सिंह चौहान, आरक्षक 217 प्रवीण भगत एवं आरक्षक 310 धर्मेंद्र यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।भालूमाड़ा पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में जुए और सट्टे जैसे अपराधों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। आने वाले दिनों में भी ऐसी कार्रवाइयाँ जारी रहेंगी।

स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि यदि वे किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी रखें तो उसे गोपनीय रूप से पुलिस तक जरूर पहुंचाएं।

आपदा प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान एवं कार्यशाला संपन्न

उमरिया - मध्यप्रदेश शासन व होमगार्ड मुख्यालय के अदेशानुसार जिला सेनानी होमगार्ड उमरिया सी एस चतुर्वेदी के नेतृत्व में रणविजय महाविद्यालय उमरिया में नवीन सिविल डिफेंस वॉलेंटियर को आपदा प्रबंधन के विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ अनिल गुप्ता के द्वारा फर्स्ट एड, सीपीआर स्नेक बाइट इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तत्पश्चात नगर पालिका उमरिया से आए इंजीनियर संतोष गुप्ता द्वारा फायर सिस्टम तथा आग के बारे में विस्तृत जानकारी एवं डेमोंसट्रेशन दिया गया।अंत में प्लाटून कमांडर राहुल कुमार साहू द्वारा आपदा के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ ,नगर पालिका का स्टाफ तथा एसडीआरएफ जवान एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

भाजपा मनाएगी देवी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती

उमरिया।। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय भरौली में पुण्य श्लोका देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाए जाने को लेकर जिला पदाधिकारी और समस्त मंडल अध्यक्षों और मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक आहूत की गई, जिसमें 21 मई से 31 मई तक 10 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई।देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती को बड़े ही धूमधाम और उनकी जीवनी प्रचारित करने के लिए भाजपा 10 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संचालित कर रही है जिसके लिए पूर्व जिला अध्यक्ष मनीष सिंह को कार्यक्रम का प्रभारी बनाया गया है। बैठक में उपस्थित समस्त पदाधिकारी को आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए मनीष सिंह ने बताया कि देवी अहिल्याबाई किसी भी परिचय की मोहताज नहीं है। इनके द्वारा मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में सैकड़ो वर्ष पहले अनेको ऐसे कार्य किए गए हैं जो आज भी प्रासंगिक है। उनके नाम से मालवा क्षेत्र में यूनिवर्सिटी, कॉलेज, अस्पताल और कई अन्य ऐतिहासिक चीजें विद्यमान है।श्री सिंह ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा देवी अहिल्याबाई होलकर के नाम से अनेकों योजनाएं काफी समय पहले से संचालित कर रही हैं। पार्टी आलाकमान ने देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर 21 मई से 31 मई तक विभिन्न कार्यक्रम करने के निर्देश जारी किए हैं। इसी तारतम्य में यह बैठक आहूत की गई है। उन्होंने बताया कि इस दौरान देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन परिचय और उनके द्वारा किए गए कार्यों को प्रचारित करना है। इस दौरान नारी सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियां स्कूल कॉलेज में भाषण निबंध प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाना है।इसके अलावा वाहन रैली, रंगोली, नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया जाना है। श्री सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम जिला स्तर और समस्त मंडलों में किया जाना है। जिसके लिए जिला स्तर पर समिति और मंडलों में टोली बनाई जाएगी। विभिन्न कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधि जैसे विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षदगण, जनपद अध्यक्ष और सदस्य एवं जिला पंचायत अध्यक्ष,सदस्य को शामिल किया जाना है।

शराब की अवैध बिक्री करते पाए जाने पर मामला कायम

उमरिया। इंदवार थाना अंतर्गत पडखुरी इटमा रोड किनारे अवैध रूप से शराब की बिक्री करते पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर लिया है । जानकारी अनुसार पुलिस ने इस मामले में बबलु बसदेवा पिता रामू बसदेवा ग्राम पडखुरी पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

जान से मारने की धमकी देने पर मामला कायम

उमरिया। पाली थाना अंतर्गत ग्राम चंदनिया में आरोपी व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार रूकसार मंसूरी पिता जमीन मंसूरी उम्र 20 साल निवासी स्टेडियम शांति धाम के पास शहडोल की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी फरिस्ता मंसूरी , अनीश शेख व तौफीक शेख पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

एक्सीडेंट करने पर मामला कायम

उमरिया। पाली थाना अंतर्गत ग्राम अमहा राजाधारी जंगल के पास आरोपी व्दारा वाहन को लापरवाही पूर्वक चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया गया। जानकारी अनुसार पुलिस ने नीले रंग के सोनालिका ट्रेक्टर के चालक ग्राम बन्नौदा पर मामला कायम कर लिया है। घटना में शिवकुमार सिंह की मौत हुई है तथा भारत सिंह मिथिलेश उपाध्याय घायल हुए है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

20 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त, जंगल रास्ते से कर रहे थे तस्करी

विजय मत, अनूपपुर

रामनगर पुलिस ने शनिवार, 18 मई 2025 को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कच्ची शराब के परिवहन में लिप्त दो सगे भाइयों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 20 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई है, जो एक प्लास्टिक के जार में भरी हुई थी। इसके साथ ही आरोपियों द्वारा शराब ले जाने में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया है।गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रवि सिंह चंदेल पिता शंकर सिंह चंदेल, उम्र 24 वर्ष, और अमित सिंह चंदेल पिता शंकर सिंह चंदेल, उम्र 32 वर्ष, दोनों निवासी मोहाड़ा दफाई, थाना बिजुरी के रूप में हुई है।

मुखबिर की सूचना पर की गई घेराबंदी-रामनगर पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि दो युवक जंगल के पुराने डोला मार्ग से अवैध शराब लेकर गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के निर्देशन में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बरगद क्रिकेट ग्राउंड के पास घेराबंदी की। कुछ ही देर में बताए गए हुलिए के अनुसार एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति आते दिखाई दिए, जिन्हें रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान प्लास्टिक जार में भरी हुई 20 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई।

रामनगर पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 122/25 धारा 34(1) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपियों ने यह शराब कहां से प्राप्त की और इसे कहां ले जाकर खपाने वाले थे। संभावना जताई जा रही है कि इस अवैध कारोबार से और भी लोग जुड़े हो सकते हैं।

थाना प्रभारी ने दी जानकारी

रामनगर थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। साथ ही यह भी कहा गया कि रामनगर थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता से भी अपील की गई है कि यदि किसी को इस प्रकार की अवैध गतिविधियों की जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।

स्थानीय लोगों में सराहना

पुलिस की इस कार्रवाई की स्थानीय लोगों द्वारा सराहना की जा रही है। लोगों का कहना है कि इस प्रकार की सख्ती से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार पर रोक लगेगी और युवाओं को नशे की लत से बचाया जा सकेगा।

भाजपा द्वारा भारतीय सेना के सम्मान में निकाली गई तिरंगा रैली

विजय मत, उमरिया

भारत सरकार के द्वारा जम्मू कश्मीर के पहले गांव में हुए आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की .ण इच्छा शक्ति और भारतीय सेना के जांबाज सैनिकों के द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में स्थित आतंकवादियों और उनके ठिकानों को नेस्त नाबूत कर दिया। इसी को लेकर उमरिया जिले में भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा रैली का आयोजन भाजपा के द्वारा किया गया। जिसमें भाजपा के जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल सहित तमाम पदाधिकारी और सामाजिक संगठनों के लोग शामिल हुए। भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल के आवाहन पर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक बैनर तले सैकड़ो की तादाद में लोग हाथों में तिरंगा लेकर जिला मुख्यालय के रानी दुर्गावती स्टेशन चौराहा से प्रारंभ की गई जो शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए स्थानीय गांधी चौक पहुंची। इस दौरान रैली में कई गीत और नारों के साथ पूरा शहर गूंजायमान हो रहा था। नेताओं के द्वारा देश है पुकारता पुकारती मां भारती के गीत और पाकिस्तान मुर्दाबाद आतंकवाद मुर्दाबाद हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे थे। तिरंगा रैली को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंक वादियों के द्वारा 26 नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया गया था

जिसके कारण पूरे देश में आक्रोश पनप रहा था इसी के मत देना जरा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प लिया था कि आतंकवादियों को घर में घुसकर मारेंगे और इस तरीके से बदला लेंगे जिसकी वह कल्पना भी नहीं किए होंगे। इसके बाद भारतीय सेवा के द्वारा पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों और उनके ठिकानों को नेस्त नाबूत कर दिया। सेना के द्वारा करीब 100 आतंकवादियों और उनके कई ठिकानों को मिसाइल से हमला कर ध्वस्त कर दिया। इस तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की .ण इच्छा शक्ति और भारतीय सेना पराक्रम से पाकिस्तान घुटनों पर आ गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता मिथिलेश मिश्रा नेवी रैली को संबोधित करते हुए अपने विचार रखे उन्होंने कहा कि यह तिरंगा रैली राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिकों हेतु भारत की जांबाज और पराक्रमी सेना जिन्होंने पाकिस्तान के भीतर घुसकर आतंकवादियों और आतंकी ठिकानों मिट्टी में मिला दिया उनके सम्मान में इस रैली का आयोजन किया गया है। श्री मिश्रा ने बताया कि भारत एक पहला देश है जो किसी परमाणु शक्ति से संपन्न देश पर हमला किया और ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाया है। भारत की जांबाज वायु सेना के सैनिकों पाकिस्तान सेना के छक्के छुड़ा दिए। पाकिस्तान के द्वारा भारत पर जो मिसाइल और ड्रोन छोड़े गए थे उन्हें भारतीय सेना के द्वारा आकाश में ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के द्वारा भारत में लगातार आतंकी गतिविधियां संचालित कर भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगा रहता है। पाकिस्तान आतंकवादियों को संरक्षण और तमाम सारी सुविधाएं, हथियार मुहैया कराता है और भारत के खिलाफ आतंकवाद का सुनियोजित ढंग से षड्यंत्र करता है। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला इस तरह लिया है जिसे पाकिस्तान कभी भूल नही पाएगा। श्री मिश्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने पर कुछ विरोधी लोग सवाल खड़े कर रहे हैं उन्हें आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जो भारत देश से प्रेम नहीं करते वह विघ्न पैदा कर रहे हैं, ।

न्यूज इन शॉर्ट

तीन साल से फरार वांरटी गिरफ्तार, हुलिया और ठिकाने बदल कर काट रहा था फरारी

भोपाल। टीटी नगर थाना पुलिस ने ऐसे फरार स्थायी वांरटी को गिरफ्तार किया है, जो साल 2022 से फरार रहते हुए हुलिया बदल कर पुलिस की ऑखो में ही धूल झोंक रहा था। टीआई टीटी नगर मान सिंह चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया की बीते दिन टीम को सूचना मिली की टीटी नगर थाने में दर्ज मारपीट, अडीबाजी के कई मामलो में फरार स्थायी वारंटी पंकज दुबे उर्फ गोलू चिकना पिता फूलचन्द्र दुबे (33) निवासी टीटी नगर स्थायी निवासी- ग्राम कजलास में हरिहर भोपाल में अपने घर सुनहरी बाग आने वाला है। खबर मिलते ही टीम ने जाल बिछाया और घेराबंदी कर उसे पकड लिया। पुलिस ने बताया की बदमाश पकंज दुबे साल 2022 से फरार चल रहा था। शातिर बदमाश पुलिस से बचने के लिये अपनी पहचान छुपाते हुए शहर से बाहर अपने ठिकाने बदल-बदल कर रह रहा था। भोपाल को गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ थाना टीटी नगर और एमपी नगर में 1 दर्जन से अधिक अपराधिक मामले दर्ज है। वहीं अदालत से 3 स्थायी गिरफ्तारी वारंट भी जारी किये गये थे । बदमाश को कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की तैयारी है।

वृद्व को कुचलने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज

भोपाल। कोलार इलाके में वृद्व व्यक्ति को कुचलने वाले बाइक चालक के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम कालापानी कजलीखेड़ा कोलार रोड पर रहने वाले लालूसिंह बारिया (60) बीती 3 मार्च की सुबह के समय पैदल जा रहे थे। इसी दौरान एक बाइक चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल लालूसिंह को उपचार के लिये हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु की। और जॉच के आधार पर बाइक चालक के खिलाफ मामला कायम कर कर लिया है।

युवक को टक्कर मारकर भाग गया वाहन चालक

भोपाल। कोहेफिजा थाना इलाके में लालघाटी के पास एक युवक को टक्कर मारकर स्कूटर चालक मौके से भाग गया। मामला दर्ज कर पुलिस फरार वाहन चालक की पहचान जुटाने के लिये आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार यूनुस खान (34) कोहेफिजा में रहते हैं, और कुरावर बस स्टैंड पर दुकान चलाते हैं। वह अपनी स्कूटर से दुकान जाने के लिए घर से निकले थे। लालघाटी चौराहा स्थित चौपाटी के सामने बैरागढ़ की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार दो पहिया वाहन चालक ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी थी।

बाइक का धक्का लगने से सड़क पर गिरे युवक के पैर बाइकों की चपेट में आकर टूटे

भोपाल। मिसरोद थाना इलाके में बाइक का धक्का लगने से एक युवक सड़क पर गिर गया। उसी दौरान उसके दो बाइके उसके पैर को कुचलते हुए निकल गई। इलाज कराते हुए करीब दो महीने बाद फरियादी ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस बाइकों का नंबर जुटाने के प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर जिला रायसेन में रहने वाला संदेश कुमार वर्मा (48) निजी काम करता हैं। बीती 18 फरवरी को वह होशंगाबाद रोड स्थित वृंदावन गार्डन के पास सड़क पार कर रहा था, तभी दूसरी तरफ से आ रही बाइक ने उन्हें साईड से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से संदेश कुमार सड़क पर गिर पड़े, उसी समय पीछे से आ रही दो बाइकें उनके पैर को कुचलते हुए निकल गई। आसपास के लोगों ने उन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद परिवार वाले संदेश कुमार को घर लेकर चले गए थे। करीब सवा दो महीने बाद वह थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले में आगे की जॉच कर रही है।

पुरानी रजिंश को लेकर हम्माल पर धारदार हथियार से हमला

भोपाल। गौतम नगर इलाके में पुरानी रंजिश को को लेकर एक युवक ने दूसरे युवक पर छुरी से हमला कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नवाब कालोनी में रहने वाला जावेद (24) करोंद मंडी में हम्माली का काम करता है। बीते दिनो उसका राजा नामक युवक से उसका विवाद हो गया था, उस समय मौके पर मौजूद लोगों की समझाइश पर उनके बीच राजीनामा हो गया था। फरियादी जावेद ने पुलिस को बताया की बीती 29 अप्रैल की रात करीब साढ़े दस बजे वह अपने साले के साथ बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिए काजीकैंप गया था। वहॉ से वापस लौटते समय ग्रीनपार्क कालोनी के पास मिले राजा मिल ने उसे रोक लिया और पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगा। जावेद ने जब उसका विरोध किया तब आरोपी ने अपने पास रखी छुरी निकालकर उस पर हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने आये उसके साले पर भी राजा ने छुरी से हमला किया है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने राजा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

दोस्तों के साथ पार्टी करने केरवा डैम गये आईटीआई छात्र की डूबने से मौत

भोपाल। शहर के नजदीक प्रसिद्व पिकनिक स्पॉट केरवा डैम पर दोस्तों के साथ पार्टी करने पहुचें आईटीआई छात्र की नहाते समय डूबने से मौत हो गई। बताया गया है कि छात्र को तैरना नहीं आता था। लेकिन नहाते समय अदांजा न होने पर वह गहरे पानी में चला गया। दोस्तों ने उसे पानी में समाते हुए देख बचाने की काफी कोशिश की लेकिन देखते ही देखते छात्र पानी के भीतर समा गया। रातीबड़ पुलिस से मिली जाकनारी के अनुसार अयोध्या नगर में रहने वाला 18 साल का अमन विश्वकर्मा आईटीआई का छात्र था। के पिता मंडीदीप स्थित निजी फैक्ट्री में काम करते हैं। शनिवार शाम वह दोस्तो के साथ मौज-मस्ती करने के लिये केरवा डैम पर पहुंचा था। उसके दोस्तो ने पुलिस को बताया की अमन और उसके साथ गये दोस्तो को तैरना नहीं आता था। इसके बाद भी अमन ने नहाने के लिये पानी में छलांग लगा दी। हालांकि पानी में उतरने से पहले उसके दोस्तों ने उसे रोका भी था। लेकिन इसके बाद भी अमन ने पानी में छलांग लगा दी। संभवत उसे पानी की गहराई का अदांजा नहीं था, और वह गहरे पानी में जाकर डूबने लगा। अमन को पानी में डूबता देख उसके दोस्तो ने पानी में कपड़ा फेंककर उसे बचाने की भरपूर कोशिश की लेकिन चंद पलो में ही अमन गहरे पानी में समा गया और उसकी जान नहीं बच सकी।

मुख्यमंत्री मोहन ने किया भोज-नर्मदा द्वार का भूमिपूजन, बोले-

हमारा उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को अपने इतिहास से रू-ब-रू कराना

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को राजधानी भोपाल के ग्यारह मील स्थित समरधा में भोज-नर्मदा द्वार का भूमिपूजन किया और भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित 10 मेगावॉट की सोलर परियोजना का भी वर्चुअल लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2000 लागू होने के बाद हमारे गौरवशाली इतिहास से जुड़ी कई घटनाएं और प्रसंगों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। आने वाले समय में राजा भोज, मां नर्मदा सहित अवंतिका और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी पाठ्यपुस्तकों में जोड़ी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को अपने इतिहास से रू-ब-रू कराना है। इसीलिए नई शिक्षा नीति के बाद जो पुस्तकों में बदलाव हुआ है, उसमें देश और प्रदेश से जुड़े प्रसंगों को शामिल किया जा रहा है। पत्थर शिल्प के जरिए हमारा इतिहास आने वाली पीढ़ी तक पहुंचे, इसलिए इस तरह के द्वारों का निर्माण कराया जा रहा है। राजधानी भोपाल में नौ द्वारों का निर्माण किया जाएगा।

उज्जैन, अयोध्या बनारस मोक्ष देने वाली नगरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि मृत्यु के बाद मोक्ष देने वाली नगरी अयोध्या, बनारस और उज्जयनी है। उज्जैन का पांच हजार साल पुराना इतिहास है। पत्थरों पर उज्जैन का इतिहास बताया। मैं प्रयास कर रहा हूं, पूरे भोपाल का इतिहास पत्थरों के माध्यम से इतिहास आना चाहिए। एक-एक द्वार मां नर्मदा का उद्गम, राजा भोज का गौरवशाली पृष्ठ क्या है। पत्थर शिल्प क्या है। उन्होंने कहा कि भारत की सेना ने पाकिस्तान को जो पटखनी दी है, वह काबिले तारीफ है। पहली बार बहन सोफिया और व्योमिका ने संसार के सामने रखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसके लिए धन्यवाद। हमारे दुश्मनों की क्या कमर तोड़ी है।

नीमच में स्थापित ऊर्जा संयंत्र का लोकार्पण

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाग नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र का लोकार्पण किया। इस संयत्र के जरिए 10 मेगावॉट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस मौके पर कहा कि आने वाले समय में नगर निगम भोपाल 200 मेगावॉट तक बिजली का उत्पादन करेगा। इस दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति मौजूर रहे।

इतिहास गौरवान्वित होना चाहिए

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि राजा भोज की नगरी में उनसे जुड़ा इतिहास और मां नर्मदा के प्रवाह और उद्गम सहित अन्य इतिहास से जुड़ी घटनाओं और कथाओं को पत्थर शिल्प के जरिए उकेरा जाएगा, ताकि आनेवाली पीढ़ियों को इसकी जानकारी हो सके। पत्थरों के द्वार से भी इतिहास गौरावान्वित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर के बीच का द्वार उज्जैन में बनाया है जो इन ज्योर्तिलिंग से जुड़े शहरों के इतिहास को पत्थर शिल्प के माध्यम से बताता है, इसलिए इसका नाम मृत्युंजय नाम दिया। मुख्यमंत्री ने राजा भोज के पराक्रम और उनके पिता सिंधुराज और बड़े भाई मुंज से जुड़ी कथा सुनाई और मुंज द्वारा राजा भोज को मारने की साजिश और उसके बाद होने वाले पश्चाताप से जुड़ा प्रसंग सुनाया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्यभारत प्रांत के शिक्षा वर्ग प्रारंभ

प्रान्त के 31 जिलों के 801 स्वयंसेवक ले रहे हैं प्रशिक्षण

विजय मत, भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ, मध्यभारत प्रांत में स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए तीन संघ शिक्षा वर्गों आयोजित किये गए हैं। इनमें मध्य भारत प्रान्त के संघ रचना के 31 जिलों के 801 स्वयंसेवक शामिल हुए हैं। तरुण व्यवसायी कार्यकर्ताओं का वर्ग रायसेन, महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्यकर्ताओं का वर्ग सिरोज और 40 वर्ष से अधिक आयु के स्वयंसेवकों के लिए संघ शिक्षा वर्ग विशेष का आयोजन विदिशा में किया जा रहा है। संघ शिक्षा वर्ग में शामिल शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक, योग, सेवा, प्रबंधन और संघ कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। संघ का कार्य व्यक्ति निर्माण का कार्य है। 15 दिन के इस वर्ग में युवा कठोर अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे। इस दौरान स्वयंसेवक मोबाइल फ़ोन से भी पूरी तरह दूर रहते हैं।

समाज परिवर्तन का केंद्र बने शाखाः गुप्ता

विदिशा में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रान्त प्रचारक विमल गुप्ता ने कहा कि हिंदू जीवन चार आश्रमों पर आधारित है। जिनमे चौथा आश्रम संन्यास आश्रम है, जो व्यक्ति को मोक्ष की राह पर ले जाता हैं। वर्ग में आए हुए हम सभी साधक हैं और अपनी साधना को सफल करने के लिए इस वर्ग में उपस्थित हुए हैं।

सामूहिक जीवन को समझने का अवसर है वर्गः मीणा

रायसेन में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए प्रान्त सह कार्यवाह संतोष मीणा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से प्रतिवर्ष अपने कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन किया जाता है। संघ शिक्षा वर्ग में हमें मन की साधना, स्व-अनुशासन, त्यागपूर्ण जीवन, सामूहिक जीवन के सामंजस्य को सीखते हुए विविध प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना है।

बौद्धिक क्षमता बढ़ाते हैं वर्गः दीक्षित

सिरोंज में प्रान्त सह कार्यवाह विजय दीक्षित ने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग में हम विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, जिससे हमें संघ कार्य की स्पष्ट मिलती है। शारीरिक दृष्टि से सक्षम होने के लिए तो जिम भी है, किन्तु बौद्धिक दृष्टि से सक्षम होने के लिए कोई जिम नहीं होती। ये वर्ग कार्यकर्ता की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक को सांस्कृतिक एवं सामाजिक योद्धा बनना पड़ेगा और उसके लिए भारत को जानो, भारत की मानो और भारत के बनो।

---

22 महीने बाद भी पंचायतों में शासनादेश का पालन नहीं

सचिवों एवं रोजगार सहायकों ने नहीं बने आयुष्मान कार्ड

विजय मत, भोपाल

करीब 22 माह पहले 22 जुलाई 2023 को सामान्य प्रशासन विभाग ने निर्देश जारी किया था कि आयुष्मान योजना का लाभ संविदा कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सहायिका, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आशा एवं ऊषा कार्यकर्ता, आशा सुपर वाइजर और कोटवारों को दिया जाएगा। इसके लिए इन सभी का आयुष्मान कार्ड बनाया जाए। लेकिन शासन का आदेश होने के बाद भी प्रदेश की 23 हजार पंचायतों में सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायक आयुष्मान कार्ड से वंचित हैं। अनेक जिलों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को यह ली नहीं मिल पाया है।

गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 4 जुलाई 2023 को लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित संविदा कर्मचारियों के सम्मेलन में इन कर्मचारियों को आयुष्मान योजना का लाभ देने की घोषणा की थी, 22 जुलाई 2023 को सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके आदेश जारी किए थे। अब आयुष्मान मध्य प्रदेश ने संबंधित विभागों से कर्मचारियों की पद वार जानकारी मांगी है। जानकारी आने के बाद आयुष्मान कार्ड बनाना शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार इन कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समान चिकित्सा सुविधा का लाभ नहीं देती है। प्रदेश में 23 हजार पंचायतें हैं।

विधायक निर्मला सप्रे केस की सुनवाई आज, कांग्रेस ने हाईकोर्ट में दायर की है याचिका

भोपाल। कांग्रेस की बीना से विधायक निर्मला सप्रे की विधायकी अयोग्य घोषित करने के मामले में कांग्रेस की ओर से दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी। पहले मामले में शुक्रवार को सुनवाई होना थी। दरअसल इस याचिका में सरकार की ओर से मांग की गई है कि इस याचिका पर सुनवाई इंदौर की जगह जबलपुर में होना चाहिए। हाईकोर्ट एडवोकेट विभोर खंडेलवाल ने बताया कि शुक्रवार को समय बीत जाने के कारण मामले की सुनवाई टल गई। कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी की विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। कांग्रेस ने मांग की है कि सागर जिले के बीना से विधायक सप्रे ने दल-बदल किया है, इसलिए उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द की जाए। विधायक निर्मला सप्रे लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान 5 मई को राहतगढ़ में सीएम डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच पर पहुंची थी।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष, जिलाध्यक्ष ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता पर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए

विजय मत, भोपाल

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व भोपाल सांसद आलोक शर्मा,एवं भोपाल जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति ने रविवार को ऑपरेशन ''सिंदूर'' की सफलता पर भोपाल शाहपुरा मंडल द्वारा आयोजित सिवाय चौराहे वार्ड 50 से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा औरा माल चौराहा पर समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा में शाहपुरा मंडल के सैकड़ो कार्यकर्ता सभी समाज के सामाजिक व व्यापारिक संगठनों के साथ हजारों की संख्या में नागरिकों ने हाथों में तिरंगा झण्डा लेकर भारतमाता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाये। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेना ने पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद को पस्त किया है। पहलगाम आतंकी हमले में हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ने वाले आतंकियों को भारत ने अपनी भाषा में जवाब दिया है। भोपाल जिला

अध्यक्ष रविन्द्र यति ने कहा कि भोपाल में भारत माता के जयकारे के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन और हमारी भारतीय सेना का व बहन सोफिया कुरैऔर व्योमिका सिंह का सम्मान करने के लिए तिरंगा यात्रा में शाहपुरा मंडल के कार्यकर्ता व आमजन का सैलाब उमड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक भी आतंकी दुनिया के किसी कोने में होगा हम ढूंढ-ढूंढ करके मारेंगे।

दो थानो से गोली कांड का फरार जुबैर मोलाना का गुर्गा शरीफ उर्फ बच्चा गिरफ्तार

विजय मत, भोपाल

पुराने शहर की टीला जमालपुरा थाना पुलिस ने कुख्यात बदमाश जुबेर मौलाना गिरोह के गुर्गे शरीफ बच्चा को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने इंद्रा नगर में रहने वाले बदमाश साद के साले फैसल पर जुबेर मौलाना के साथ मिलकर 6 मई को फायरिंग कर दहशत फैलाई थी। मामले में पुलिस ने फौरन ही एक्शन में आते हुए आरोपी जुबेर मौलाना सहित तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन आरोपी शरीफ घटना के बाद से ही फरार चल रहा था, पुलिस ने वही से उसका जुलूस निकाला जहां उसने फायरिंग की थी। टीला थाना टीआई डी पी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की 6 मई को कुख्यात बदमाश जुबेर मौलाना ने पुरानी रजिंश के चलते अपने आधा दर्जन से अधिक साथियो के साथ मंगलवारा में रहने वाले साद के घर पहुंच कर साद समझ कर सैफ के ऊपर जान से मारने की नीयत से फायर किया था। फरियादी सैफ अली की रिपोर्ट पर मंगलवारा थाना पुलिस ने मामला दर्ज

किया था। इसके बाद दहशत फैलाने के लिये साद के साले फैसल जो इंद्रानगर थाना टीला जमालपुरा मे रहता है, उसके घर पर भी जुबेर मौलाना और उसके साथियों ने दो पहिया वाहनो से आकर हवाई फायर किये थे। घटना से इलाके में दहशत फैल गई थी। इस प्रकरण में जिस पर फरियादी सोहेल की रिपोर्ट पर मामला कायम किया गया था। एक साथ दो थाना इलाको में बदमाशो द्वारा किये गये गोलीकांड और हत्या के प्रयास को लेकर पुलिस विभाग में भी हड़कंप मच गया।

पत्नी के साथ शीतलदास की बगिया में गये कारोबारी की तालाब में डूबने से मौत

भोपाल। शहर के श्यामला हिल्स थाना इलाके में स्थित शीतलदास की बगिया में पत्नि के साथ पहुचें एक टू व्हीलर पार्टस कारोबारी की मौत तालाब में डूबने से मौत हो गई। हादसा रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे का बताया जा रहा है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से काफी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकलवाते हुए आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बैरसिया रोड पर स्थित ग्रीन पार्क कॉलोनी डीआईजी बंगला में रहने वाले राजेश जैन (51) बाइक पार्ट्स बेचने का काम करते थे। उनकी बैरसिया रोड पर ही दुकान थी, पार्टस की दुकान के साथ ही उनका एक सर्विस स्टेशन भी था। उनके परिवार में पत्नि सहित एक एक बेटा और एक बेटी सहित दो बच्चे है। बेटी ग्रेजुएशन करने के बाद भोपाल में ही परिजनो के साथ रहती है। वहीं बेटा जयपुर में रहकर पढ़ाई कर रहा है। परिवार वालो ने बताया की इन दिनो राजेश ईदगाह हिल्स के एक स्विमिंग पूल में तैराकी सीखने जा रहे थे, हालांकि उन्हें तैरना नहीं आया था।

सौरभ शर्मा केस में नेताओं की बढ़ सकती है मुश्किलें

- कॉल डिटेल में बातचीत के सबूत, चालान में कुछ नेताओं के नाम संभावित

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा मामले में नेताओं की मुश्किल बढ़ सकती है। सूत्रों के मुताबिक, कॉल डिटेल में कुछ नेताओं से बातचीत के सबूत मिले है। लोकायुक्त पुलिस के चालान में कुछ नेताओं के नाम भी संभावित है। एमपी के पूर्व आरटीओ सौरभ शर्मा केस में नेताओं की मुश्किलें बढ़ सकती है। लोकायुक्त पुलिस इस पूरे मामले में 40 से अधिक लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। चालान में कुछ नेताओं के नाम भी संभावित है। बताया जा रहा है कि लोकायुक्त पुलिस जून माह के अंत तक न्यायालय में चालान पेश कर सकती है।

गौरतलब है कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की थी। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा पर आरोप है कि उसने गलत तरीके से करोड़ों की संपत्ति बनाई है। उसने यह संपत्ति अपने और अपने रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी थी।

खास-खबर थाने पहुचें रहवासी और बच्चे

चार साल पुराना नीम का पेड़ काटने पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग

विजय मत, भोपाल

शहर के कटारा थाना इलाके में लगे चार साल पुराने एक पेड़ को अज्ञात लोगो द्वारा काट दिये जाने से यहॉ के रहवासियो में गुस्सा फैला हुआ है। पेड़ काटने का विरोध करने रहवासी और बच्चे शिकायत करने पुलिस थाने पहुंच गए। नाराज लोगों ने पुलिस से आपराधिक केस दर्ज करने की मांग करते हुए लिखित शिकायत की है। कॉलोनी समिति के अध्यक्ष का कहना है कि यह बहुत गंभीर घटना है, और इस ऐसी घटनाओ पर अकुंश लगाने के लिये ÷पेड़ की हत्या÷ का केस दर्ज किये जाने की मांग की गई है।

पेड़ काटने की यह घटना बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी की है। कॉलोनी विकास समिति के अध्यक्ष, उमाशंकर तिवारी का कहना है, कि कॉलोनी के एचआईजी 257 के सामने एवं नवनिर्मित स्कूल की बाउंड्री के पास ही 12 जून 2021 को एक पीपल का पेड़ लगाया गया था, जो अब 20 फीट तक बड़ा और काफी सुदंर हो गया था। इस पेड़ को दो दिन पहले अज्ञात आरोपियो ने जड़ से काट दिया है। इससे कॉलोनीवासियो को काफी दुख पहुंचा है। उनका कहना है कि यह जानबूझकर पेड़ की हत्या किया जाना प्रतीत होता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी पेड़ों की कटाई मानव हत्या से बड़ा अपराध बताया है। इसलिये इस प्रकरण में भी अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाये। तिवारी ने उदाहरण देते हुए बताया कि हमीरपुर में भी पेड़ को टक्कर मारने पर ट्रक के ऊपर मामला दर्ज किया गया जा चुका है। इस प्रकरण में भी अज्ञात पर हत्या का प्रकरण दर्ज हो और सीसीटीवी की मदद से उसे तलाश कर ऐसी ही कड़ी कार्यवाही की जाए, जैसे किसी व्यक्ति की हत्या के बाद की जाती है, क्योंकि आने वाले समय में हमें जिंदा रहने के लिए पेड़ों को बचाना बहुत जरूरी है। अध्यक्ष तिवारी का कहना है कि फिलहाल भोपाल के कटारा थाने पहुंचकर हत्या का मामला दर्ज करने के लिए शिकायती आवेदन दिया है। यदि केस दर्ज नहीं हुआ तो पुलिस कमिश्नर, कलेक्टर की जनसुनवाई में जाकर मामला दर्ज किये जाने की मांग करेंगे।

बिल्डर के बेटे ने लग्जरी कार से मारी थी महिला बैंक मैनेजर को टक्कर

- मौके पर ही हो गई थी महिला की मौत

विजय मत, भोपाल

शहर के अयोध्या बायपास इलाके में महिला बैंक मैनेजर की मौत में मामले में चौकानें वाली जानकारी सामने आई है। यहॉ लग्जरी चार पहिया वाहन दौड़ा रहे नाबालिग ने नरेला जोड़ पर शनिवार सुबह करीब 11 बजे महिला बैंक मैनेजर को उस समय जोरदार टक्कर मार दी थी, जब वह ऑफिस जाने के लिए निकली थीं। नाबालिग घर से ड्राइवर के साथ अयोध्या नगर इलाके में आया था। ड्राइवर चाय पीने के लिए मिनाल के पास रुक गया था, इसी दौरान गाड़ी में चाबी लगी देख नाबालिग उसे स्टार्ट कर ले गया। पुलिस ने मामले में नाबालिग और उसके पिता को आरोपी बनाया है। आरोपी किशोर प्रॉपर्टी डीलर का बेटा है। घटना स्थल पर पकड़े जाने के बाद वह लोगों को चकमा लेकर मौके से भाग निकला था। हालांकि पुलिस ने कार को जप्त कर थाने में खड़ा कर लिया था। पुलिस के अनुसार, अमृता ओंकार (40) पत्नी अमित ओंकार अम्रत एनक्लेव में रहती थी। वह शक्ति नगर एचडीएफसी बैंक की मैनेजर थीं। अमृता की करीब 12 साल पहले शादी हुई थी। उनकी चार साल की एक बेटी है। परिवार में अमृता उनके पति अमित और बेटी है। अमृता शनिवार सुबह घर से ऑफिस जाने के लिए स्कूटी पर से निकली थीं। नरेला शंकरी जोड़ अयोध्या बाइपास पर सफेद रंग की लग्जरी कार ने उन्हें सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद लोगों की मदद से उन्हें निजी हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू करने के साथ ही शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के मुताबिक कार चला रहा नाबालिग अंधाधुंध रफ्तार में दौड़ा रहा था। लोगों ने उसका पीछा किया तो वह मीनाल गेट के पास गाड़ी छोड़कर भाग गया। कुछ देर बाद कार का ड्राइवर आ गया, उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह घटना के समय गाड़ी में मौजूद नहीं था। वह अयोध्या नगर इलाके में चाय पीने के लिए रुका था, इस दौरान नाबालिग ने गाड़ी में चाबी लगी देखी और वह गाड़ी लेकर चला गया। पुलिस ने मामले में नाबालिग और उसके बिल्डर पिता जय प्रकाश साहु निवासी चौपड़ा कलां को आरोपी बनाया है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

विश्व में लिंग चयनात्मक गर्भपात के प्रचलन को जीरो टॉलरेंस पर लाना समय की मांग

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर एक ज़माना था जब लिंग भेद अपनी चरम सीमा पर था और दुनियां के अनेक देशों में लिंग चयनात्मक गर्भपात का प्रचलन तेजी से बढ़ा था जिसके कारण लिंग अनुपात में तेजी से डिफरेंस बढ़ता चला गया,इस बीच दुनियां की सरकारें जागी और अनेक ऐसे कार्यक्रम, कानून नियम विनियम,व्यवस्थाएं जन जागरण अभियान चलाए गए जिससे इस कुप्रथा पर नकेल कस्ती चली गई,जो कुछ हद तक इस प्रथा पर नियंत्रण रखनेमें सरकारें कामयाब रही,परंतु फिर भी लिंग भेद की यह प्रथा वैश्विक स्तरपर पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है बल्कि चालू है, पर नियंत्रण में है। बता दें मेरा मानना है कि इस अधिनियम को लाने में देर हो गई थी जिसका परिणाम हम आज हर समाज व धर्म में भुगत रहे हैं क्योंकि,आज 1990 की उम्र के अनेक लड़के अनेक समाजों में हमारे बैठे हैं उस अनुपात में लड़कियां नहीं मिल रही है, क्योंकि आज लड़की वाले एज डिफरेंस की स्थिति को भी देख रहे हैं, इसलिए जो हमने 80- 90 के दशक में स्पीड से लिंग चयनात्मक गर्भपात किए थे उसके परिणाम आज उस उम्र के अनुपात में लड़कियों के नहीं मिलने से हो रहा है, जो मैंने प्रत्यक्ष रूप से इसका सटीक उदाहरण अनेक समाजों में देखा हूं। इसलिए ही भारत में भी राष्ट्रीय बेटी दिवस भी मनाया जाता है।और 22 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस भी मनाया जाता हैं अब हंस्ती है बेटियां तो मोती झड़ते हैं,चलती है लहराके तो फूल खिलते हैं। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,विश्व में लिंग चयनात्मक गर्भपात के प्रचलन को जीरो टॉलरेंस पर लाना समय की मांग है, व बेटे को प्राथमिकता देने की परंपराओं को समाप्त कर सभी लिंगों के लिए समान अधिकारों को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देना जरूरी है।

साथियों बात अगर करीब करीब अनेकों समाजों की करें तो जहाँ छोटी लड़कियों को अभी भी बोझ और लड़कों की तुलना में कम मूल्यवान माना जाता है।आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों के कारण बेटे को प्राथमिकता देना सदियों पुराना विचार है, फिर भी यह आज भी एक वास्तविकता है।भारत और चीन में लिंग-चयनात्मक गर्भपात का प्रचलन है,लेकिन इसे एशिया मध्य पूर्व, पूर्वी यूरोप और अन्य जगहों पर भी दर्ज किया गया है। इस उत्सव का उद्देश्य लड़कियों से जुड़े कलंक को पहचानना, बेटे को प्राथमिकता देने वाली परंपराओं को खत्म करना और सभी लिंगों के लिए समान अधिकारों को बढ़ावा देना है।डॉटर्स डे दुनियां भर में माता पिता और उनकी बेटियों के बीच अनोखे रिश्ते का सम्मान करने के लिए मनाया जाने वाला एक खास अवसर है।भारत में,परिवार और समाज में बेटियों के प्यार, सम्मान और महत्व को उजागर करता है।

साथियों बात अगर हम बेटियों के प्रति सहानुभूति पूर्वक और उत्साह से जनजागरण के 5 कारणों की करें तो (1) बेटियाँ परिवारों को पोषित करने और मजबूत भावनात्मक बंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बेटियों की इस भूमिका का जश्न मनाने और परिवार इकाई में उनके योगदान को पहचानने का एक अवसर है। चाहे वह प्यार, देखभाल या जिम्मेदारी के माध्यम से हो,बेटियाँ एक विशेष ऊर्जा लाती हैं जो पारिवारिक जीवन को समृद्ध बनाती है।(2) इसका एक मुख्य उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है भारत में, सामाजिक मानदंडों ने अक्सर बेटों को बेटियों की तुलना में अधिक महत्व दिया है, जिससे महत्वपूर्ण लैंगिक असंतुलन पैदा होता है। यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि बेटियाँ भी उतनी ही मूल्यवान हैं और उन्हें बेटों के समान ही प्यार, शिक्षा और अवसर दिए जाने चाहिए। यह भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण से लड़ने में मदद करता है और लिंग के बावजूद बच्चों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करने के विचार को बढ़ावा देता है। (3) कई क्षेत्रों में, पारंपरिक रीति-रिवाजों और प्रथाओं ने बेटों को प्राथमिकता दी है, खासकर विरासत और पारिवारिक वंश के संदर्भ में। बेटियों का दिन लड़कियों के महत्व और एक संपूर्ण जीवन के उनके अधिकार पर जोर देकर इन पुरानी मान्यताओं को चुनौती देता है। यह उत्सव परिवारों को अपनी बेटियों को उनके लक्ष्यों और सपनों को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करता है, चाहे वे व्यक्तिगत हों या पेशेवर।(4) बेटियों के प्रति जन जागरण सशक्तिकरण के बारे में भी है। यह माता पिता और अभिभावकों को अपनी बेटियों को यह याद दिलाने का मौका देता है कि वे मजबूत हैं, सक्षम हैं और दुनिया द्वारा दिए जाने वाले हर अवसर की हकदार हैं। बेटियों का दिन मनाकर, माता-पिता अपनी बेटियों में आत्मविश्वास पैदा कर सकते हैं, उन्हें अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं और अपने लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। (5) माता-पिता और बेटी के बीच का रिश्ता अक्सर अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव के लिए संजोया जाता है। बेटियों के प्रति जन जागरण माता पिता को विचारशील इशारों, उपहारों या साथ में गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के माध्यम से इस बंधन को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। चाहे वह एक साधारण दिल से की गई बातचीत हो, परिवार के साथ बाहर घूमना हो या कोई खास तोहफा हो, यह दिन बेटियों को यह दिखाने का सही अवसर प्रदान करता है कि वे परिवार के लिए कितना महत्त्वपूर्ण मायने रखती हैं।

साथियों बात अगर हम बेटियों के प्रति जन जागरण अभियान की करें तो, दुनियां के कुछ हिस्सों में, लड़के बच्चों को लड़कियों से ज़्यादा महत्व दिया जाता है। यह जन जागरण अभियान लड़के और लड़की दोनों के लिए समान महत्व को बढ़ावा देता है।लड़कियों को शिक्षित किया जा सकता है और उन्हें समान अवसर दिए जाने चाहिए। अपनी बेटी का जश्न मनाएँ। अपनी बेटियों के साथ दिन बिताएँ। उन्हें आपको कुछ ऐसा सिखाने दें जो आप पहले से नहीं जानते। उनकी आकांक्षाओं को सुनें। चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो, इस बात का इंतज़ार करें कि हमारी बेटियाँ हमको कहाँ ले जाएँगी। रोमांच हमारे सामने हैं। उत्सवों की तरह ही हमारी बेटियाँ भी कई तरह के व्यक्तित्वों वाली होती हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

> इसी क्रम एक दौर भारत में भी एक था,1994 से पहले का जब लिंग चयनात्मक गर्भपात अति तेजी के साथ हुआ था और अधिकतम लोग इस तर्ज पर बेटियों का गर्भ नष्ट कर देते थे, जिसमें स्त्री पुरुष अनुपात में भारी डिफरेंस हो गया इसके पश्चात सरकारें जागी व लिंग चयन प्रतिरोध अधिनियम 1994 बनाया जो 1 जनवरी 1996 को प्रवेश पूर्व निदान तकनीकी (विनियमन व दुरुपयोग निवारण) अधिनियम 1994 लागू किया गया जिसमें 14 फरवरी 2003 को संशोधन कर अधिनियम का नाम गर्भधारण पूर्व और प्रवेश पूर्व निदान तकनीकी (लिंग चयन प्रतिरोध) अधिनियम 1994 रखा गया।

खेल कूद और देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम

देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम है सबसे बड़ा खिलाड़ी देश के सैनिक हैं खेल कूद मानव जीवन के लिए एक वरदान है जो उसे स्वस्थ्य रखने के लिए उपहार स्वरूप मिली है खेल में भाग लेने से सबसे पहला लाभ स्वास्थ्य ही है क्योंकि खेल का मैदान वह स्थान है जो स्वास्थ्य पर एक स्थायी छाप छोड़ता है यह शरीर का एक ऐसा ढ़ाचा तैयार करता है जो चुस्त फुर्तीला और बलिष्ठ होता है खेल शरीर को स्वस्थ और स्फूर्तिमय बनाये रखता है खेल कूद के दौरान शरीर के लगभग सभी अंगों का व्यायाम हो जाता है, शारीरिक व्यायाम को विभिन्न कारणों से किया जाता है जिसमें मांसपेशियों और हृदयतंत्री प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, एथलीटिक कौशल को बढ़ाना, वजन घटाना या उसे बनाए रखना तथा मनोरंजन आदि शामिल हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम आवश्यक है। यदि किशोर शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं हैं तो उनके बीमार होने का जोखिम बहुत है।बार बार और नियमित रूप से किया गया व्यायाम प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है और हृदय रोग, हृदयतंत्री रोग टाइप टू का मधुमेह तथा मोटापे जैसी जीवन शैली से संबंधित बीमारियों की रोकथाम में सहायता करता है। शरीर की मांसपेशिया सुदृढ़ बनती है और काया निरोगी रहती है एक प्राचीन कहावत है ÷पहला सुख निरोगी काया÷ सत्य ही है कि निरोग शरीर जीवन का सर्वश्रेष्ठ सुख है जब शरीर स्वस्थ्य होगा तो मनुष्य अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन और जीवन के सुखों का आनन्द उठा सकता है लेकिन आजीवन स्वास्थ्य सुखों का लाभ पाने के लिए शारीरिक क्षमताओं का विकास होना जरुरी होता है जो खेल के मैदान में सरलता से विकसित हो जाता है खेल का जीवन में समर्पण की भावना विकसित करने में मूल्यवान भूमिका होती है खेल के मैदान में खिलाड़ी निष्पक्षता, न्याय और हार दृ जीत दोनों को समान रूप से ग्रहण करता है अपने प्रतिद्वंदी के प्रति सहज भाव रखता है वह जानता है कि खेल में कभी जीत होती है, तो कभी हार होती है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

सोशल मीडिया पर देह की नुमाइश : सशक्तिकरण या आत्मसम्मान का संकट?

प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया पर नारी देह का बढ़ता प्रदर्शन क्या वाकई सशक्तिकरण है या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़? क्या हम सच्ची आज़ादी की ओर बढ़ रहे हैं या एक डिजिटल पिंजरे में कैद हो रहे हैं? क्या आत्मसम्मान की जगह केवल देह की नुमाइश रह गई है? क्या महिलाओं की पहचान अब सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सिमट गई है? यह सवाल आज की डिजिटल पीढ़ी के सामने एक बड़ी चुनौती है, जो सशक्तिकरण और आत्मसम्मान के असली मायने खोजने की मांग करता है। तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? वो जो कभी सभ्यता की पहचान थी, अब डिजिटल हाट बाजार में बिक रही है। जिस समाज में नारी का सम्मान उसकी आंखों की लज्जा, चेहरे की सौम्यता और आचरण की मर्यादा से आंका जाता था, वहां आज उसका अस्तित्व उसके चोली के घेरे और पिंडलियों की नुमाइश में सिमट कर रह गया है। यह डिजिटल क्रांति का अजीब दौर है, जहां औरतें बोल्ड होने का झूठा अर्थ बदन दिखाने से जोड़ बैठी हैं। यह कैसी आज़ादी है, जहां अपनी पहचान की कीमत देह के टुकड़ों में चुकानी पड़े? औरतें खुद को जिस फेमिनिज्म की आड़ में उभार रही हैं, क्या वो असल में नारी शक्ति का उत्थान है, या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़?

सोचिए, इस देह प्रदर्शन की होड़ में कितनी महिलाएं खुद को खो रही हैं? क्या यह वाकई सशक्तिकरण है या एक नया बंधन, जहां औरतें एक डिजिटल पिंजरे में फंसती जा रही हैं, अपनी असली पहचान को खोकर बस एक देह भर बनती जा रही हैं? नारी स्वतंत्रता का अर्थ तो आत्मसम्मान, शिक्षा, और निर्णय लेने की स्वतंत्रता था, न कि केवल बदन दिखाने का अधिकार। ये तो वही हुआ जैसे किसी को सोने की चिड़िया बना दो और फिर पिंजरे में कैद कर दो। सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? आज सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन चुका है, जहां कुछ महिलाएं खुद को साबित करने के लिए हर हद पार कर रही हैं। कपड़ों का छोटा होना और बोल्ड पोज़ देना ही अगर बोल्डनेस है, तो फिर आत्मविश्वास, शिक्षा, और स्वाभिमान का क्या? क्या यही है सशक्तिकरण का असली मतलब? क्या हमारा समाज वाकई इतना सतही हो गया है कि हम केवल बदन के आधार पर किसी की कीमत आंकने लगे हैं?

सोचिए, आज जो महिलाएं देह प्रदर्शन को सशक्तिकरण मान रही हैं, क्या वो सच में खुद को सशक्त महसूस करती हैं? क्या उन्हें पता है कि वो केवल एक डिजिटल उत्पाद बनकर रह गई हैं, जिनका मूल्य केवल उनके शरीर के आकार और नृत्य कौशल से मापा जाता है? यह समस्या केवल महिलाओं की नहीं है, बल्कि उस पूरी डिजिटल संस्कृति की है, जिसने नारी शरीर को एक मनोरंजन सामग्री बना दिया है। वो शरीर जो कभी मातृत्व, प्रेम और करुणा का प्रतीक था, आज महज़ व्यूज़ और फॉलोअर्स की भूख का साधन बन गया है। तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? आखिर सवाल यह है कि क्या देह का प्रदर्शन वाकई सशक्तिकरण है या बस एक भ्रम? क्या आज की नारी अपनी असली पहचान से दूर होती जा रही है, जहां उसकी शक्ति, बुद्धि और आत्मविश्वास की जगह सिर्फ उसके शरीर का आकार और आकर्षण ही अहम रह गया है? यह डिजिटल युग हमें नई संभावनाओं और अभिव्यक्ति की आज़ादी देता है, पर क्या यह स्वतंत्रता वाकई हमें आज़ाद कर रही है या बस एक और जाल में फंसा रही है?

नारी स्वतंत्रता का अर्थ केवल कपड़ों की लंबाई या शरीर के प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। असली स्वतंत्रता है अपने विचारों, अधिकारों और आत्मसम्मान की रक्षा करना। यह वो स्वतंत्रता है, जो एक नारी को उसकी असल पहचान देती है - एक शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त इंसान के रूप में। सोशल मीडिया पर जिस दिखावे की होड़ मची है, वह केवल लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़ नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की गिरावट का प्रतीक है। यह एक डिजिटल पिंजरा है, जहां औरतें खुद को स्वतंत्र मानते हुए भी एक गहरे बंधन में बंधी हुई हैं। हमें यह समझना होगा कि असली सशक्तिकरण आत्मनिर्भरता, शिक्षा और आत्मसम्मान में है, न कि केवल देह प्रदर्शन में। अगर हमें सही मायनों में नारी शक्ति को बढ़ाना है, तो हमें इस भ्रम से बाहर आना होगा और एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां औरतें अपनी पहचान अपने विचारों से बनाएं, न कि केवल अपने शरीर से।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

> क्या हो गया है आजकल औरतों को? सोशल मीडिया पर उठते कोलाहल में हर ओर एक ही स्वर गूंज रहा है - देह प्रदर्शन का। कहीं चटकते-फड़कते रील्स में, कहीं भड़कते-उलझते डांस मूव्स में, और कहीं जूम इन होती नज़रों के बीच, बस एक ही प्रदर्शन - अपनी चपल देह की अदा का। मानो देह ही पहचान बन गई हो। सच पूछो तो इस दौर में देह का कारोबार जितना खुलकर हो रहा है, उतना पहले कभी न हुआ था। सोशल मीडिया ने देह को एक प्रॉडक्ट बना दिया है, जिसे जितना ज्यादा दिखाओ, उतना ज्यादा लाइक्स, फॉलोअर्स और व्यूज़ बटोर लो। मानो आत्मसम्मान का कद अब कमेंट्स की लंबाई और लाइक्स की संख्या से मापा जाने लगा हो।

गणि राजेन्द्र विजय : दांडी पकड़े गुजरात के उभरते हुए 'गांधी'

ललित गर्ग

प्राचीन समय से लेकर आधुनिक समय तक अनेकों संत-मनीषियों, धर्मगुरुओं, ऋषियों ने भी अपने मूल्यवान अवदानों से भारत की आध्यात्मिक परम्परा को समृद्ध किया है, इन महापुरुषों ने धर्म के क्षेत्र में अनेक क्रांतिकारी स्वर बुलंद किए। ऐसे ही विलक्षण एवं अलौकिक संतों में एक नाम है गणि राजेन्द्र विजयजी। वे आदिवासी जनजाति के होकर भी जैन संत हैं, और जैन संत होकर भी आदिवासी जनजीवन के मसीहा संतपुरुष हैं। वे आदिवासी जनजीवन का एक उजाला है, जो पिछले पांच दशक से गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में उनके उन्नयन एवं उत्थान के लिये संघर्षरत हैं। 19 मई 2025 को गणिजी अपने जीवन के 51वें बसंत में प्रवेश कर रहे हैं। डॉ. गणि राजेन्द्र विजय एक ऐसा व्यक्तित्व है जो आध्यात्मिक विकास और नैतिक उत्थान के प्रयत्न में तपकर और अधिक निखरा है। वे आदिवासी जनजीवन में शिक्षा की योजनाओं को लेकर विशेष जागरूक हैं, इसके लिये सर्वसुविधयुक्त एकलव्य आवासीय मॉडल विद्यालय का निर्माण उनके प्रयत्नों से हुआ है, वहीं कन्या शिक्षा के लिये वे ब्राह्मी सुन्दरी कन्या छात्रावास का कुशलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। इसी आदिवासी अंचल में जहां जीवदया की दृष्टि से गौशाला का संचालित है तो चिकित्सा और सेवा के लिये चलयमान चिकित्सालय भी अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है। आदिवासी किसानों को समृद्ध बनाने एवं उनके जीवन स्तर को उन्नत बनाने के लिये उन्होंने आदिवासी क्षेत्र में सुखी परिवार ग्रामोद्योग को स्थापित किया है। इनदिनों वे आदिवासी क्षेत्र में मेडिकल विश्वविद्यालय बनाने की योजना पर कार्यरत है। वे अखिल भारतीय सनातन संत समाज के संगठन में आदिवासी क्षेत्र के संतत्व का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे आदिवासी अधिकारों के लिये व्यापक संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें संगठित कर रहे हैं, उनका आत्म-सम्मान जगा रहे हैं। गणि राजेन्द्र विजयजी द्वारा संचालित प्रोजेक्ट एवं सेवा कार्यों की मोटी सूची में मानवीय संवेदना की सौंधी-सौंधी महक फूट रही है। लोग गांवों से शहरों की ओर पलायन रहे हैं, लेकिन गणि राजेन्द्र विजयजी की प्रेरणा से कुछ जीवट वाले व्यक्तित्व शहरों से गांवों की ओर जा रहे हैं। मूल को पकड़ रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे-'भारत की आत्मा गांवों में बसती है।'

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8371

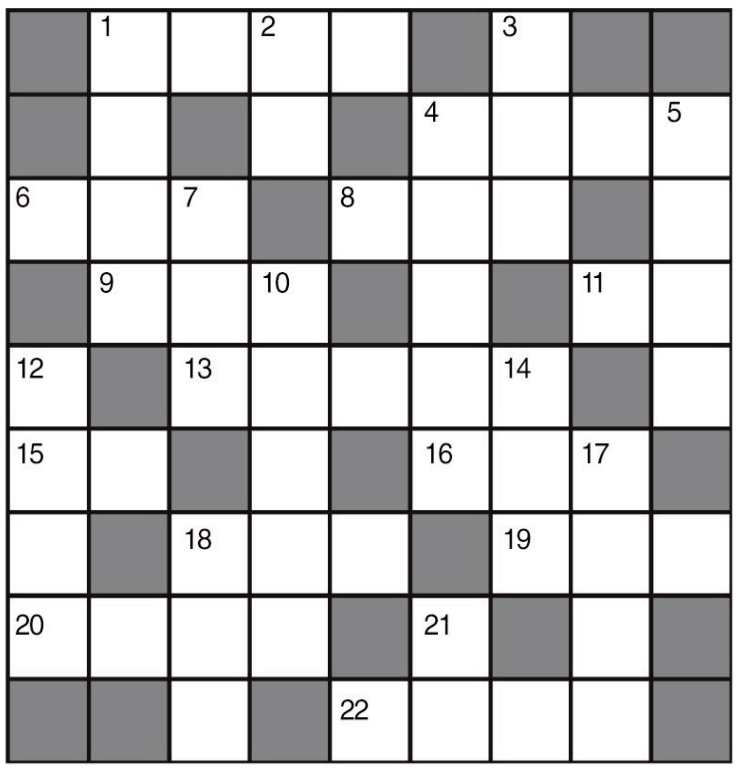

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -8370 का हल

आ	म	रा	य		सा	व	धा	न
रा		ह	म	स	फ	र		फ
ध	न			ली			का	र
ना	क		ना	का	रा		न	त
	ब	हा	र		श	र	भ	
खो	ज		द	ह	न		र	म
फ	न			र			ना	न
ना		स	र	फ	रो	श		च
क	र	त	ब		ना	मा	व	ली

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

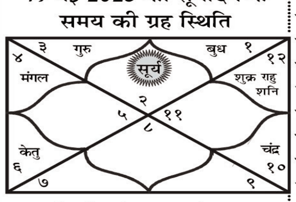

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.02 बजे से
चंद्र	मकर में	मिथुन	07.04 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.18 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.46 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	15.57 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.11 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.27 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.32 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	00.19 बजे से
		मीन	01.52 बजे से
		मेष	03.22 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 139 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 06.12 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 19.30 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 05.53 बजे तदनन्तर ब्रह्म 04.36 बजे प्रातः को समाप्त। **करण** वणिज 06.12 बजे तदनन्तर विष्टि 18.07 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 47' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872349 **जूलियन दिन** 2460814.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 20

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

पुलिस की बेरहम पिटाई से टूट गयी डाक्टर की रीढ़ की हड्डी

चिकित्सकों में भारी आक्रोश, दोषी पुलिसकर्मियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करनें एवं घटना की मजिस्ट्रियल जांच की एसपी से मांग

विजय मत फलोअप शहडोल

विजय मत, शहडोल

संभाग में शायद यह पहली ऐसी घटना है जिसमे पुलिस की थर्ड डिग्री का शिकार एक सरकारी चिकित्सक को होना पड़ा ,वह भी ऐसी थर्ड डिग्री कि डाक्टर की रीढ़ की हड्डी दो- जगह से टूट गयी । साथ ही बैक में मशल्स भी गहरे घाव होने की जानकारी सामने आई है । ऐसा भी नहीं है कि उक्त सरकारी चिकित्सक किसी के क़त्ल या लूट का आरोपी रहा हो ,बल्कि पुलिसकर्मियों के साथ मामूली कहासुनी कुछ वर्दीधारियों को ऐसी नागवार गुजरी कि उन्होंने एक सरकारी चिकित्सक को पीट पीटकर अधमरा कर दिया । पीड़ित डाक्टर कृष्नेंद्र द्विवेदी जिला चिकित्सालय के शिशु रोग विभाग में पदस्थ हैं । ड्यूटी से देर रात लौटने के दौरान उनके घर के पास यह घटना शुक्र-शनि की रात्रि में हुई । घायल डाक्टर का मेडिकल कालेज शहडोल में इलाज चल रहा है ।

जांच के बाद रविवार को जब रविवार को घायल डाक्टर द्विवेदी की मेडिकल रिपोर्ट सामने आई तब इस बात की पुष्टि हुई कि उनके रीढ़ की हड्डी मारपीट के कारण दो जगह से टूट गयी है ।वहीं एक सरकारी चिकित्सक के साथ गुंडे मवालियों के तरह व्यवहार करने वाले सोहागपुर थाना के दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गयी है ,केवल इस मामले में मुख्य भूमिका में सामने आए ए एस आई सुखवंत चतुर्वेदी को सोहागपुर थाना से पुलिस लाइन में अटैच कर दिया गया है । हरेंद्र जिसने सबसे ज्यादा मारपीट की थी व अन्य पलिस कर्मीयों के ऊपर घटना के चौबीस घंटे से भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी अब तक दोषी पुलिस कर्मियों के निलंबन व उन पर एफ आई आर दर्ज नहीं किए जाने से चिकित्सको के अंदर आक्रोश बढ़ता जा रहा है ।

चिकित्सकों ने एसपी से की मुलाक़ात

डाक्टर द्विवेदी के साथ हुई इस बेदम पिटाई की घटना के चौबीस घंटे से भी अधिक समय गुजर जाने के बाद भी अब तक दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ एफआईआर के साथ साथ निलंबन व विभागीय जांच की कार्यवाही सुनिश्चित नहीं किए जाने के कारण जिले ही नहीं बल्कि प्रदेश भर के चिकित्सक संघ से जुड़े चिकित्सकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है । रविवार को इसे लेकर चिकित्सकों के दल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाक़ात कर अपनी बात रखते हुए दोषीजानो के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने के साथ उनके निलंबन की कार्यवाही किए जाने की बात रखी । साथ ही पुलिस विभाग के द्वारा इस मामले की कराई जा रही जांच पर असंतोष जताते हुए इस मामले की मजिस्ट्रियल जांच कराने की मांग की है । एसपी से मिलने गये चिकित्सको के दल मे डाक्टर मनीष सिंह ,डाक्टर पुनीत ,डाक्टर रोहित दुबे ,डाक्टर टी एन चतुर्वेदी समेत दर्जन भर से अधिक जिले के चिकित्सक शामिल थे ।

मजिस्ट्रियल जांच की मांग

शिशु रोग विशेषज्ञ डाक्टर द्विवेदी के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर जिला काँग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने ब्यान जारी करते हुए उक्त घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि ड्यूटी से घर जा रहे डॉक्टर कृष्णेंद्र द्विवेदी के साथ पुलिस द्वारा की गई मारपीट की घटना की मजिस्ट्रियल जांच कराई जानी चाहिए । नाइट ड्यूटी मे जाने वाले डॉक्टरों की प्रशासन द्वारा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए ताकी चिकित्सक जन सेवा का कार्य निश्चिंत होकर कर सकें।

ग्रामीण के घर में भालू के अचानक घुसने मची अफरा तफरी

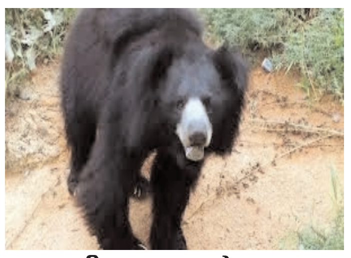

विजय मत, शहडोल।

जिले के अमझोर वन परिक्षेत्र के ग्राम गंधिया में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक मादा भालू अचानक ग्रामीण राम शरण के घर में घुस गई। शांत गांव की सुबह अचानक डर और सस्पेंस से भर गई। भालू को घर में देख परिजनों के होश उड़ गए और वे किसी तरह खुद को एक कमरे में बंद कर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

घर में घुसी भालू इधर-उधर दौड़ती रही और घर का सामान तहस-नहस करने लगी। इस भयावह दृश्य की जानकारी मिलते ही वन विभाग हरकत में आया। तुरंत ही अमझोर वन परिक्षेत्र के एसडीओ मुकुल सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सूझबूझ के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत और सावधानी के बाद वन विभाग की टीम ने भालू को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा।

पूरी प्रक्रिया बेहद रोमांचक रही, लेकिन वन विभाग की तत्परता और सूझबूझ से कोई जनहानि नहीं हुई। जैसे ही भालू को जंगल में छोड़ा गया, गांववालों ने राहत की गहरी सांस ली और वन विभाग का धन्यवाद किया। रोमांचक रेस्क्यू ऑपरेशन की कहानी यह भी दर्शाती है कि मानव और वन्यजीवों के बीच संतुलन बनाना कितना जरूरी है। अमझोर वन परिक्षेत्र के स्छह्व मुकुल सिंह ने बताया कि भालू का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया गया है, उस पर निगरानी बनाए हुए है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जयसिंहनगर थानान्तर्गत 17 वर्षीय नाबालिक बालिका को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगा ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले में उक्त नाबालिक बालिका की पता तलाश घटना से लगातार की गई जो उक्त बालिका को स्थानीय बाजार जयसिंहनगर से सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया गया ।दस्तयाबी उपरांत बालिका से पूछताछ में बालिका द्वारा अरुण सिंह परस्ते निवासी खरहरा थाना ब्यौहारी ने गलत काम ;दुष्कर्मद्ध करना बताया जिसपर जयसिंहनगर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए आरोपी अरुण सिंह परस्ते पिता गोरेलाल सिंह परस्ते उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम खरहरा थाना ब्यौहारी शहडोल एवं सहआरोपी सुखसेन सिंह गोंड की पत्नी निवासी ग्राम ढोलर थाना जयसिंहनगर शहडोल को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

वर्षा के पूर्व जल गंगा संवर्धन अभियान का कार्य पूर्ण करें: कलेक्टर

विजय मत, शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में राजस्व विभाग एवं पंचायत विभाग के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रदेश सरकार के निर्देश पर चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जो कार्य कार्य योजना में सम्मिलित हैं लेकिन अभी तक शुरू नहीं किए गए हैं। उन कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ कराया जाए जिससे वर्षा के पूर्व वे कार्य पूर्ण हो जाएं। आपने यह भी निर्देश दिए कि जो कार्य शुरू किए जा रहे हैं, कार्य प्रारम्भ समय की फोटोग्राफ तथा वीडियो एवं कार्य के मध्य की फोटोग्राफ एवं वीडियो तथा कार्य पूर्ण होने के पश्चात के फोटोग्राफ एवं वीडियो तैयार किए जाएं तथा जल गंगा संवर्धन अभियान ग्रुप शहडोल में भी साझा किए जाएं। कलेक्टर ने कहा कि जिले में जो भी जीवित नदी, नाले एवं झरने हैं और वहां से पानी व्यर्थ में बहकर जा रहा है, उनमें उपयुक्त स्थल का चयन कर बोरी बंधान का कार्य किए जाए। ऐसा करने से जहां जल स्तर बढ़ेगा वहीं पशु-पक्षियों को पीने के लिए ग्रीष्मकाल में पानी उपलब्ध हो सकेगा, साथ ही सब्जी-भाजी उगाने तथा मानव उपयोग में भी इस पानी का बेहतर उपयोग हो सकेगा। आपने कहा कि जिले में खेत-तालाब, निर्मल नीर, बलराम तालाब, कुओं एवं बावड़ियों की सफाई तथा जीणोद्धार के कार्य समाज के सहयोग से संचालित किए जाएं। वर्तमान में पुराने तालाबों के जीर्णोद्धार, पुष्कर तालाबों का जीर्णोद्धार तथा अमृत सरोवरों के निर्माण के कार्य भी जन सहयोग एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। इन सभी कार्यों को वर्षा के पूर्व अनिवार्य रूप से पूरा कर लिया जाए।

मॉडल रोड पर बेतरतीब वाहनों से जाम और हादसे की आशंका बढ़ी

विजय मत, शहडोल

बस स्टैंड से लल्लू सिंह चौक तक का क्षेत्र इन दिनों भारी जाम की चपेट में है। तीन करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन मॉडल रोड अभी पूरी तरह से तैयार भी नहीं हुई है, लेकिन इस पर वाहनों का अतिक्रमण शुरू हो गया है। पूरे मार्ग पर बेतरतीब वाहनों के खड़े होने से जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों को रोजमर्रा के आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

मॉडल रोड पर निजी क्लीनिक, अस्पताल और अन्य व्यवसायिक संस्थानों के सामने दिनभर वाहनों की कतार लगी रहती है। विशेष रूप से एलआईसी बिल्डिंग से लकड़ी टाल तक स्थित दो निजी क्लीनिकों के सामने मरीजों और उनके परिजनों के वाहन सड़क पर खड़े रहते हैं। इसके कारण न केवल ट्रैफिक प्रभावित होता है, बल्कि दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है।

निर्माणाधीन मॉडल रोड में डिवाइडर बनने के कारण सड़क की चौड़ाई सीमित हो गई है। ऐसे में एक ओर खड़े वाहन पूरी सड़क पर दबाव बना देते हैं। इस मार्ग से भारी वाहन भी गुजरते हैं, लेकिन जाम की स्थिति के कारण छोटे वाहनों और पैदल राहगीरों को निकलने में परेशानी होती है।

न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और बस स्टैंड क्षेत्र में स्थिति और विकट –सड़क से सटी न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में नागरिकों को सड़क पार करना भी जोखिम भरा हो गया है। बस स्टैंड के पास स्थित दोनों पेट्रोल पंपों के आसपास कंडम और बड़ी बसों को खड़ा कर दिया जाता है, जिससे रास्ता और भी संकरा हो जाता है। बस स्टैंड पर वाहनों व यात्रियों की आवाजाही लगातार बनी रहती है, जो जाम और दुर्घटना की संभावना को और बढ़ा देती है।

गर्मी के दृष्टिगत लू की संभावना से बचाव और उपचार

विजय मत, शहडोल।

जिले में वर्तमान परिस्थिति में अत्याधिक गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए ऐसे शुष्क वातावरण में लू (तापघात) की संभावना जानलेवा हो सकती है। जिसके लिए आम जन को लू (तापघात) से बचाव संबंधी दिशा निर्देश जारी किए गए है।

लू से बचाव के लिए क्या करें- गर्मी के दिनों में धूप में बाहर जाते समय हमेशा सफेद या हल्के रंग के डील सूती वस्त्रों का प्रयोग करें। भोजन करके एवं पानी पीकर ही बाहर निकले। गर्मी के मौसम में गर्दन के पिछले भाग, कान व सिर को गमछे या तौलिये से ढंककर ही धूप में निकले। रंगीन चश्मे व छतरी का प्रयोग करें। गर्मी में हमेशा पानी अधिक मात्रा में पीएँ एवं पेय पदार्थों का अधिक से अधिक मात्रा में सेवन करें। बाहर जाते समय अपने साथ पानी रखें। गर्मी के दिनों में बच्चों का विशेष ध्यान रखें। बच्चों को सिखायें कि जब भी उन्हें अधिक गर्मी महसूस हो तो वे तुरंत घर के अंदर आये। गर्मी के दिनों में बुजुर्गों का भी विशेष ध्यान रखें। उन्हें धूप में घर से बाहर न निकलने दें व उन्हें समय-समय पर पानी पीने के लिए प्रेरित करें एवं सुपाच्य भोजन तथा तरल पदार्थों का सेवन करवाये। गर्मी के दिनों में ठण्डे मौसमी फलों का सेवन करें। गर्मी के दिनों में तीव्र धूप को अदर आने से रोके। जहाँ तक संभव हो, ज्यादा समय तक धूप में खड़े होकर व्यायाम मेहनत एवं अन्य कार्य न करें। बहुत अधिक भीड, गर्म घुटन भरे कमरों में ना जायें। रेल, बस आदि की यात्रा गर्मी के मौसम में अतिआवश्यक होने पर ही करें। बच्चों एवं बुजुर्गों को दिन के सबसे गर्म समय जैसे दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर की गतिविधियों में शामिल ना होने दें। धूप में बच्चों और पालतू जानवरों को गाडी में अकेला न छोडे। धूप में नंगे पाँव न चले। चाय कॉफी अत्यधिक मीठे पदार्थ व गैस वाले पेय पादाथों का सेवन न करें।

लू लगने के लक्षण- गर्म लाल और सूखी त्वचा होना, शरीर का तापमान से 40 सेल्सियस या 104 फॉरेनाइट से अधिक होना, मतली या उल्टी, बहुत तेज सिर दर्द होना, मांशपेशियों में कमजोरी या ऐठन,सांस फूलना या दिल की धड़कन तेज होना, घबराहट होना, चक्कर आना, बेहोशी और हल्का सिरदर्द होना आदि

लू तापघात से प्रभावित व्यक्ति के प्राथमिक उपचार के तरीके- रोगी को तुरंत छायादार जगह पर, कपडे ढीले कर लिटा दें एवं हवा करें, रोगी के बेहोश होने की स्थिति में कोई भी भोज्य एवं पेय पदार्थ ना दे एवं तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्तः करें।

गड़बड़ी — मेडिकल स्टोर्स में डॉक्टर बन बैठे संचालक, शहडोल में दवाओं की मनमानी बिक्री बन रही खतरा

बिना प्रिस्क्रिप्शन के मिल रही दवाएं, मरीजों की जान जोखिम में

विजय मत, शहडोल

जिले में चिकित्सा व्यवस्था की अनदेखी अब आमजन की जान पर भारी पड़ रही है। जिलेभर में 350 से अधिक मेडिकल स्टोर संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश पर न तो चिकित्सकीय नियमों का पालन हो रहा है और न ही मरीजों की सुरक्षा का ध्यान रखा जा रहा है। चिंता की बात यह है कि कई मेडिकल स्टोर संचालक खुद को डॉक्टर समझ बैठे हैं और मरीजों को लक्षण पूछकर मनमर्जी से दवाएं दे रहे हैं।

बिना डॉक्टर की पर्ची, मिल रही दवा

स्वास्थ्य मंत्रालय एवं फार्मेसी एक्ट के अनुसार, कोई भी दवा बिना योग्य चिकित्सक की पर्ची के नहीं दी जा सकती, विशेषकर एंटीबायोटिक और पेन किलर जैसी शक्तिशाली दवाएं। लेकिन शहडोल जिले में यह नियम केवल कागजों में सिमट कर रह गया है। आमजन सर्दी-खांसी, बुखार, दर्द जैसे लक्षण लेकर सीधे मेडिकल स्टोर पहुंच जाते हैं।

ग्रामीण इलाकों की स्थिति और भी खराब

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और भी चिंताजनक हैं। यहां पर्याप्त संख्या में डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में लोगों के पास मेडिकल स्टोर ही एकमात्र सहारा बन गया है। ग्रामीण जन सामान्य बीमारी के लक्षण पर भी मेडिकल स्टोर से दवाएं लेकर सेवन कर लेते हैं, जिसका परिणाम कभी-कभी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में सामने आता है।

गलत दवा से हो सकती है जानलेवा स्थिति

जब कोई गैर-प्रशिक्षित व्यक्ति दवा देता है, तो गलत डोज, गलत दवा या दवा के साइड इफेक्ट्स का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि कई बार ऐसी दवाएं दी जाती हैं जो रोगी की स्थिति को और बिगाड़ देती हैं। अगर मरीज को पहले से कोई अन्य बीमारी हो या वह पहले से किसी दवा का सेवन कर रहा हो, तो ऐसी बिना सोचे-समझे दी गई दवा जानलेवा भी साबित हो सकती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि दवाओं का सेवन बिना चिकित्सकीय सलाह के नहीं किया जाना चाहिए। कुछ दवाएं विशेष परामर्श के बाद ही दी जाती हैं क्योंकि उनका शरीर पर प्रभाव गहरा होता है। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के मामले में यह जोखिम और बढ़ जाता है।

समाधान की जरूरत

- समस्या की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन को चाहिए कि–
- मेडिकल स्टोर्स पर सख्त निगरानी रखी जाए।
- बिना पर्ची दवा देने वालों पर कार्रवाई की जाए।
- ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टर्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
- आमजन में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें दवाओं के सुरक्षित उपयोग के बारे में बताया जाए।

प्रशासनिक निगरानी में ढिलाई

हालांकि दवा विक्रेताओं पर निगरानी रखने के लिए औषधि नियंत्रण विभाग कार्यरत है, पर जमीनी हकीकत यह है कि विभाग की सक्रियता नाम मात्र की है। नियमित निरीक्षण, कार्रवाई और लाइसेंस की शर्तों की जांच जैसे कार्यों में घोर लापरवाही बरती जा रही है। जिससे मेडिकल स्टोर्स संचालकों को खुली छूट मिल रही है।

सबीना खान के जीवन में आशा की नई किरण लेकर आई है लाड़ली बहना योजना

शहडोल। प्रदेश सरकार व्दारा प्रदेश की बहनों को आर्थिक, सामाजिक एवं पारिवारिक रूप से सशक्त बनाकर आत्म निर्भर बनाने हेतु शुरू की गई लाडली बहना योजना उनके जीवन में मील का पत्थर साबित हो रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में स्वाभिमान का संचार कर रही है। यह योजना हम जैसी जरूरतमंद महिलाओं के जीवन में आशा की नई किरण लेकर आई है।

संभागीय मुख्यालय शहडोल की रहनी वाली सबीना खान को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत 1250 रूपये प्रतिमाह प्राप्त हो रहे है। उन्होंने ने बताया कि मुख्य मंत्री लाडली बहना योजना के तहत खातें मे प्रतिमाह 1250 रूपये रूपये अंतरित हो रहे है। इस राशि का उपयोग घर के संचालन, बच्चों की पढ़ाई में कर रहे है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम लाड़ली बहना योजना ने किया है । उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत हर माह मिलने वाली धनराशि घर की छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में मदद करती है। इसके लिए मैं एवं मेरा पूरा परिवार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद ज्ञापित करता है।

न्यूज इन शॉर्ट

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने की डॉक्टर के साथ हुई मारपीट की मजिस्ट्रियल जांच की मांग

शहडोल । जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने ड्यूटी से घर जा रहे डॉक्टर कौशलेंद्र द्विवेदी के साथ पुलिस द्वारा की गई मारपीट की मजिस्ट्रियल व निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा है कि, जिले मे इस तरह की घटनाओं का होना निंदनीय कृत्य है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने मांग करते हुए कहा कि, पुलिस विभाग द्वारा किसी भी व्यक्ति को संदिग्ध बता कर ऐसी कार्रवाई न कि जाए। नाइट ड्यूटी मे जाने वाले डॉक्टरों की प्रशासन द्वारा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए ताकी चिकित्सक जन सेवा का कार्य निश्चिंत होकर कर सकें।

सुभाष गुप्ता ने घटना की निंदा करते हुए शीघ्र से शीघ्र मजिस्ट्रियल जांच कर,दोषियों को दंडित करने की मांग की है ताकि चिकित्सकीय सेवा प्रभावित न हो।

उक्त जानकारी जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने प्रदान की।

श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में संचालित 8 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

शहडोल। श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में संचालित 8 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। प्रवेश प्रकिया कौशल विकास विभाग के डीएसडी पोर्टल पर होगी। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के पंजीकृत श्रमिक एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्य श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. में एक वर्षीय एवं दो वर्षीय व्यवसाय में निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 222.स्रह्मस्र.द्वश्च.द्दश1.द्बट्ट पर पंजीयन 31 मई 2025 तक कर सकते हैं। इस संस्था में संचालित ट्रेड तकनीशियन मेकाट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, सीएनसी मशीनिंग तकनीशियन, सिविल इंजीरियरिंग असिस्टेंट दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसी प्रकार फैशन डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डिजाईन एण्ड डेकोरेशन, आईओटी स्मार्ट सिटी, वेल्डर एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। इन व्यवसायों में वेल्डर के लिए प्रवेश योग्यता आठवीं उत्तीर्ण है। शेष सभी सात पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

शासकीय विषिष्ट बालक क्रीड़ा परिसर शहडोल में रिक्त सीटों हेतु आवेदन 10 जून तक

शहडोल। प्राचार्य, शासकीय विशिष्ट बालक क्रीड़ा परिसर शहडोल ने जानकारी दी है कि सत्र 2025-26 हेतु क्रीड़ा परिसर शहडोल मे रिक्त 20 सीट्स के विरुद्ध कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आवेदन 10 जून 2025 तक आमंत्रित किये गए है। जिला विकासखण्ड स्तर पर चयन प्रक्रिया 15.06.2025 से 25.06.2025 तक निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यार्थियों से निर्धारित अवधि में क्रीड़ा परिसर शहडोल से आवेदन प्राप्त कर आवश्यक अभिलेख यथा पासपोर्ट फोटो-05,निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र,आधार,बैक खाता क्रमांक पासबुक की छायाप्रति,समग्र आईडी,प्रोफाईल पंजीयन के साथ कार्यालय समय में जमा कर सकते है ।

जिला नजूल निर्वतन समिति की बैठक 19 मई को

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में जिला नजूल निर्वतन समिति की बैठक 19 मई 2025 को (टी.एल. बैठक के बाद) कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की जाएगी।

जिलांतर्गत कोर्ट मोहर्रिर की मासिक बैठक की एसपी ने की समीक्षा

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री रामजी श्रीवास्तवव द्वारापुराने पुलिस कंट्रोल रूम में कोर्ट मोहर्रिरों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में न्यायालय संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई एवं महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा समय पर समंस एवं वारंटों की तामीली सुनिश्चित करने के निर्देश दिएए विशेष रूप से चिन्हित प्रकरणों में अनिवार्य रूप से वारंटों की तामीली किए जाने पर बल दिया गया। साथ हीए यदि न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने में कोई समस्या आ रही हो तो संबंधित अधिकारियों को तत्काल अवगत कराने के लिए कहा गया। इसके अतिरिक्त यदि कोई पुलिसकर्मी न्यायालयीन पेशी में उपस्थित नहीं हो रहा है तो उसकी सूची प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जिले की विभिन्न न्यागयालयों के कोर्ट मोहर्रिर एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय से रीडर . लक्ष्मींनारायण द्विवेदी एवं समंस वारंट शाखा से सुरेश पाण्डेय लालमणी, मेलाराम भूमिया उपस्थित रहे। बैठक में न्यायालय संबंधी प्रक्रियाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक सुझावों पर चर्चा की।

अवैध शराब जब्त

शहडोल। जिले में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने.अपने क्षेत्रों में अवैध शराब के विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की गई जिसमें कुल 07 स्थानों पर दबिश दी गई।

न्यूज इन शॉर्ट

पंचायत उपनिर्वाचन 31 मार्च 2025 की स्थिति में 2 सरपंच एवं 18 पंच के पद रिक्त

शहडोल। उप जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत निर्वाचन श्रीमती अमृता गर्ग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहडोल जिले में 31 मार्च 2025 की स्थिति में 18 पंच एवं 2 सरपंच के पद रिक्त हैं। सरपंच के पद सोहागपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत नरगी में अ.ज.ज.मुक्त तथा ब्यौहारी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत चरखरी अनारक्षित मुक्त पद रिक्त हैं। जिले में पंच पद के 18 पद रिक्त हैं।जिसमें सोहागपुर जनपद पंचायत में ग्राम पंचायत जोधपुर में वार्ड क्रमांक 14 अजजा मुक्त, पोंगरी में वार्ड क्रमांक 15 अजजा. महिला, जमुई में वार्ड क्रमांक 4 अजजा. महिला, पठरा में वार्ड क्रमांक 10 अजजा. महिला, करकटी में वार्ड क्रमांक 09 अजजा मुक्त रिक्त हैं। बुढ़ार जनपद पंचायत में पंच पद कें ग्राम पंचायत पड़रिया में वार्ड क्रमांक 10 अजजा. मुक्त, वार्ड क्रमांक 08 अनारक्षित महिला, ग्राम पंचायत बिजुरी मे वार्ड क्रमाक 06 अनारक्षित मुक्त, ग्राम पंचायत जमुनिहा में वार्ड क्रमांक 03 अजा मुक्त, ग्राम पंचायत टेघा में वार्ड 04 अनारक्षित मुक्त, ग्राम पंचायत कर्रावन में वार्ड 05 अजजा मुक्त, ग्राम पचायत बहगढ़ में वार्ड 12 अजा. महिला, ग्राम पंचायत साखी में वार्ड 06 अनारक्षित महिला, ग्राम पंचायत घोरवे में वार्ड क्रमांक 08 अजजा मुक्त रिक्त हैं। जनपद पंचायत ब्योहारी में पंच पद के ग्राम पंचायत दलको कोठार के वार्ड क्रमांक 16 अजा. मुक्त, ग्राम पंचायत जगमल का वार्ड क्रमांक 15 अजजा मुक्त रिक्त हैं। तथा ग्राम पंचायत चरखरी में सरपंच का पद अनारक्षित मुक्त है।

डेंगू दिवस के अवसर पर निकाली गई रैली, डेंगू बीमारी से बचाव की दी गई जानकारी

शहडोल। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार के मीटिंग हाल में खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैली जैन,श्री हनुमान प्रसाद नामदेव जिला मलेरिया अधिकारी शहडोल, श्री शिवशंकर शुक्ला - जिला मलेरिया सलाहकार की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। साथ ही रैली निकालकर आम जनमानस को डेंगू बुखार से बचने, सप्ताह में अपने कूलर, टंकी, अनुपयोगी बर्तन में भरे हुए पानी को निकालकर पुनः सुखाकर उपयोग करने की जानकारी दी गई। जिसमें श्री रामचन्द्र चतुर्वेदी एम टी एस बुढार ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस की थीम देखें ,साफ करें, डेंगू,बुखार के नियंत्रण के उपाय करें,रोगियों की नि-शुल्क जांच एवं उपचार जिला अस्पताल शहडोल में निःशुल्क जांच एवं उपचार,लार्वा सर्वे, लार्वा विनष्टीकरण, प्रवासी मजदूरों की पहचान और जांच, ग्राम स्तर पर आशा कार्यकर्ता के पास त्वज्ञ की उपलब्धता, नारे लेखन, डेंगू नियंत्रण हेतु प्रचार - प्रसार ,बी की आई,टेमोफास, पायरेथ्रम का उपयोग, स्थाई/अस्थाई जल स्रोतों की जानकारी एवं लार्वाभक्षी मछली का संचयन इत्यादि की विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला पुस्तकालय की दुर्दशा, अव्यवस्था और गंदगी से जूझते विद्यार्थी

न सफाईकर्मी, न रख-रखाव, धूल और जालों के बीच भविष्य संवारते 250 छात्र

विजय मत, शहडोल

जिला मुख्यालय के स्वामी विवेकानंद शासकीय जिला पुस्तकालय, जो कि जिले का प्रमुख अध्ययन केंद्र है, बदहाली का शिकार हो गया है। यहां प्रतिदिन लगभग 250 युवक-युवतियां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने आते हैं, लेकिन उन्हें न तो स्वच्छ वातावरण मिल पा रहा है और न ही पुस्तकों के उचित रख-रखाव की सुविधा। पुस्तकालय की स्थिति दिन-ब-दिन दयनीय होती जा रही है।

गंदगी का अंबार, सफाईकर्मी तक नहीं

पुस्तकालय में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ठप पड़ी है। दो साल पूर्व तत्कालीन कलेक्टर ने नगरपालिका अधिकारी को आदेशित किया था कि पुस्तकालय में दिन में तीन बार सफाई करवाई जाए, लेकिन इस आदेश पर आज तक कोई अमल नहीं हुआ। नतीजतन, पुस्तकालय में जगह-जगह जाले लटके हुए हैं, फर्श पर धूल की मोटी परत जमी हुई है और शौचालयों की हालत भी बेहद खराब है।

कलेक्टर के आदेश की उड़ रही धज्जियां

बता दें कि 5 अगस्त 2024 को कलेक्टर द्वारा नगरपालिका सीएमओ को पत्र लिखकर सप्ताह के सभी दिन पुस्तकालय में नियमित सफाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे। फिर भी नगरपालिका द्वारा अब तक एक भी सफाईकर्मी तैनात नहीं किया गया है।

धूल में बैठकर करनी पड़ रही पढ़ाई

सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों का कहना है कि प्रशासन हमें एक स्वच्छ और व्यवस्थित स्थान तक उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। गंदगी और अव्यवस्था के बीच पढ़ाई करना मानसिक रूप से परेशान करता है और एकाग्रता भंग होती है।

पुस्तकों की हालत भी बदतर

हजारों की संख्या में बहुमूल्य पुस्तकें पुस्तकालय में मौजूद हैं, लेकिन उनके ऊपर धूल की परतें जमा हुई हैं। कई किताबें फर्श पर बिखरी पड़ी रहती हैं, जिन्हें उठाकर रखने वाला तक कोई नहीं है। कर्मचारियों की कमी से पुस्तकालय का संचालन मात्र औपचारिकता बनकर रह गया है।

छात्रों की प्रशासन से मांग

पुस्तकालय में नियमित सफाई, पुस्तक प्रबंधन, शौचालयों की मरम्मत और बैठने के लिए स्वच्छ वातावरण की मांग को लेकर छात्रों ने अब वर्तमान कलेक्टर से हस्तक्षेप करने की अपील की है। यदि शीघ्र कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो छात्र आंदोलन की राह पकड़ सकते हैं।

प्रशासन और मंडी समिति की उदासीनता से गंदगी और दुर्गंध के बीच हो रहा व्यापार

शहडोल। जिले के मुख्यालय स्थित थोक सब्जी मंडी, जो कि संभाग की सबसे बड़ी मंडियों में एक मानी जाती है, बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। यहां रोजाना सैकड़ों की संख्या में थोक और फुटकर व्यापारी सब्जियों की खरीद-फरोख्त करने आते हैं, लेकिन अव्यवस्था, गंदगी, और बुनियादी सुविधाओं के अभाव ने मंडी परिसर को नारकीय बना दिया है। व्यापारी मुंह पर कपड़ा बांधकर व्यापार करने को मजबूर हैं, वहीं ग्राहक भी दुर्गंध झेलते हुए सब्जी खरीदते हैं।

मंडी परिसर में सफाई की कोई नियमित व्यवस्था नहीं है। जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं और सड़े-गले सब्जियों से उठती दुर्गंध ने माहौल को असहनीय बना दिया है। यहां मात्र एक हैंडपंप है, जो अक्सर खराब रहता है। पेयजल की वैकल्पिक कोई व्यवस्था नहीं है और न ही पुरुष या महिलाओं के लिए प्रसाधन की कोई सुविधा है।

व्यवसायियों से मंडी समिति द्वारा प्रति व्यापारी 20 रुपए प्रतिदिन और नगर पालिका द्वारा मंडी क्षेत्र के बाहर ठेला व्यापारियों से 5 रुपए वसूले जाते हैं। लेकिन इसके बावजूद कोई सुविधा मुहैया नहीं कराई जाती। मंडी में न तो ठहरने के लिए शेड हैं और न ही वर्षा व धूप से बचाव का कोई इंतजाम। व्यापारी लंबे समय से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन समिति द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

मंडी परिसर के चारों ओर पार्किंग की सुविधा न होने के कारण व्यापारी और ग्राहक अपने वाहन तथा ठेले सड़क पर ही खड़े कर देते हैं। इससे सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है और पैदल चलने वालों को भी दिक्कत होती है। आए दिन दुर्घटनाएं होने की संभावना बनी रहती है।

व्यवसायी दीपू सोनी बताते हैं कि, ÷हम लोग गंदगी और बदबू के बीच व्यापार करने को मजबूर हैं। मंडी समिति हमसे हर दिन शुल्क तो वसूलती है लेकिन न सफाई होती है, न पानी मिलता है और न ही कोई बुनियादी सुविधा। सब्जी चाहे ज्यादा हो या कम, हमसे बराबर राशि वसूल ली जाती है, जो कि अन्यायपूर्ण है।÷

प्रशासन की चुप्पी से हालात बदतर

स्थानीय व्यापारी कई बार मंडी समिति और नगर प्रशासन को ज्ञापन सौंप चुके हैं लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। यदि शीघ्र ही स्थिति नहीं सुधारी गई तो व्यापारी आंदोलन या सामूहिक हड़ताल का रुख अपना सकते हैं।

पुलिस द्वारा 05 वर्ष की नाबलिग बालिका से दुष्कर्म का अपचारी बालक गिरफ्तार

विजय मत, शहडोल

थाना बुढ़ार क्षेत्र में एक 05 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई। बालिका की माँ द्वारा गुरूवार कोथाना बुढ़ार में रिपोर्ट दर्ज कराई । बताया गया कि मोहल्ले में रहने वाले एक 16 वर्षीय किशोर ने बच्ची को बहला.फुसलाकर घर की छत पर ले जाकर उसके साथ गलत कार्य किया।

रिपोर्ट पर थाना बुढ़ार पुलिस ने गंभीरता से तत्काल दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट की धाराओं के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान आरोपी अपचारी किशोर की पहचान कर उसे 17 मई 2025 को गिरफ्तार कर बाल न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। शहडोल पुलिस द्वारा प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है और पीड़ित परिवार को हरसंभव न्याय दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

सट्टा पट्टी सहित दो गिरफ्तार

शहडोल। थाना धनपुरी क्षेत्रांतर्गत कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि टैक्सी स्टैंड इमामबाडा के पास में एक व्यक्ति सट्टा पर्ची के माध्यम से लोगों को पैसे की हार जीत के दाव लगवा रहा है। सूचना पर धनपुरी पुलिस द्वारा सूचना स्थान में घेराबंदी कर दबिश देकर आरोपी अच्छेलाल सेन पिता रामजियावान उर्फ मुसईया सेन उम्र 47 वर्ष कच्छी मोहल्ला धनपुरी थाना धनपुरी आरोपी पप्पू उर्फ इजहार मुसलमान निवासी चीप हाऊस अमलाई निवासी धनपुरी शहडोल के पास के कब्जे से सट्टा खिलाने से प्राप्त नगदी 470 रुपय एक अदद् सट्टा पर्ची, पेन एवं एक अदद् की.पैड मोबाइल फोन आरोपियों से जब्त किया गया।

भारत माता की जय घोष के साथ निकली तिरंगा यात्रा

महिलाओं बच्चों द्वारा पुष्प वर्षा से तिरंगा यात्रा का जगह-जगह किया गया स्वागत

विजय मत, शहडोल

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक के बैनर तले शहडोल नगर में शनिवार की शाम निकल गई भव्य तिरंगा यात्रा, डीजे ढोल नगाड़े आतिशबाजी एवं देश भक्ति गीतों की धुन के साथ यह यात्रा नगर के जय स्तंभ चौक से प्रारंभ हुई एवं नगर के मुख्य मार्गो से भ्रमण करते हुए तिरंगा यात्रा का भव्य समापन नगर के बुढार चौक में किया गया इस दौरान यात्रा में शामिल नागरिकों ने भारतीय सेना के सम्मान में हाथ में तिरंगा लेकर भारत माता की जय घोष करते हुए नजर आए तो वही नगर के मुख्य मार्गो में नागरिकों ,महिलाओं ,बच्चों एवं विभिन्न समाज के लोगों ने द्वारा तिरंगा यात्रा का पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत भी किया गया।

शहडोल जिले व नगर के राष्ट्रभक्त नागरिकों के द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पहलगाम के आतंकी हमले का जवाब देते हुए पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकवादियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त कर 100 से अधिक आतंकवादियों को मौत के घाट उतारकर देश की जनता को यह विश्वास दिलाया कि भारत देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व और भारत की पराक्रमी सेना के होते हुए देश की सुरक्षा को यदि कोई खतरा पहुंचाने का दुस्साहस करेगा तो उसका बदला चौगुनी ताकत के साथ लिया जाएगा ऑपरेशन सिंदूर में हमारे देश की सेना ने अपने वीरता पराक्रम शौर्य का परिचय देते हुए पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को मारकर संपूर्ण विश्व को दिखा दिया कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम है। भारतीय सेना के इस अदम्य, अतुलनीय योगदान तथा देश के प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए शहडोल जिले के राष्ट्रभक्त जिला वासियों द्वारा ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली गई ।

इस तिरंगा यात्रा में प्रमुख रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, पूर्व जिला अध्यक्ष तिरंगा यात्रा के संयोजक कमल प्रताप सिंह, विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, विधायक जयसिंह मरावी, एवं हजारों की संख्या में जिले व शहर के गणमान्य नागरिक, पूर्व सैनिक, एनसीसी कैडेट, स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राओं व्यापारी एवं सर्व समाज के प्रत्येक वर्गों व पार्टी के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारीयों ने सेना के सम्मान में इस तिरंगा यात्रा में शामिल होकर इस गौरवपूर्ण यात्रा और राष्ट्रभक्ति की भावना को जगाए रखने में अपनी अहम भूमिका निभाई है।

ग्रामीण अंचल के कुछ मेधावी छात्र एम्स जैसी संस्थानों में अपनी सेवा दे रहे हैं

कोटा से भी बढ़कर वरदान साबित हो रहा है टाइम पब्लिक स्कूल कोचिंग

टाइम कोचिंग संस्थान से अब तक 300 छात्र एमबीबीएस, 120 छात्र आईआईटी में हुए चयनित

विजय मत, शहडोल

शहडोल संभागीय मुख्यालय में निरंतर 18 वर्ष से संचालित टाइम पब्लिक स्कूल कोचिंग के बढ़ते कदम जिला शहडोल सहित अनूपपुर, उमरिया जिले के शहरी एवं ग्रामीण छात्र छात्राओं के लिए इस आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में कोटा से भी बढ़कर वरदान साबित हो रहा है। संस्था के संचालक जितेंद्र शुक्ला की कड़ी मेहनत एवं कुशल मार्गदर्शन में अभी तक इस संस्था से अध्ययन कर लगभग 300 से अधिक बच्चे नीट की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर एमबीबीएस डॉ बनकर काम कर रहे यहा तक कि टाइम संस्थान से पढ़कर कुछ ऐसे छात्र है जो एम्स जैसी संस्थानों में अपनी सेवा दे रहे जो अपने शहडोल संभाग के लिए बड़े ही गर्व का विषय है। इतना ही नही जेई की परीक्षा में भी अभी तक में टाइम पब्लिक संस्थान के 120 से अधिक छात्रों ने अच्छे रैंक साबित कर चुके है कि राजस्थान में अगर कोटा का नाम पढ़ाई के नाम पर मशहूर है तो शहडोल जिले में संचालित टाइम पब्लिक स्कूल किसी कोटा कम नहीं है।

10वीं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में भी अच्छा प्रदर्शन किया छात्र-छात्राओं ने

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में टाइम्स स्कूल के छात्र-छात्राओं ने प्रदेश की मैरिट एवं जिले की मैरिट में स्थान हासिल कर शानदान प्रदर्शन किया। बोर्ड परीक्षाओं में इस विद्यालय का शत प्रतिशत रिजल्ट रहा एवं 90 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर विद्यालय एवं अपने-अपने परिवार को गौरवान्वित किया। जिले में कोई नगर या कोई गांव ऐसा नहीं है जहां के लोग टाइम्स संस्थान की उपलिब्धयों के बारे में न जानते हो।

कलेक्टर ने सविता सोंधिया की सुनी समस्या, निराकरण के दिए निर्देश

शहडोल। संभागीय मुख्यालय शहडोल के पाण्डवनगर निवासी सविता सोधिया ने कलेक्टर कार्यालय के पहुंचकर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को अपनी समस्या बताई। उन्होंने कहा कि मेरे लड़के का अभी तक जाति प्रमाण पत्र नही बना है, मेरे लड़के का जाति प्रमाण पत्र बनवाया जाए। जिस पर शहडोल जिले के संवेदनशील कलेक्टर ने सविता सोंधिया की समस्या सुनी तथा जाति प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश संबंधित को दिए।

अवैध शराब की धर-पकड़

शहडोल। जिले में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने.अपने क्षेत्रों में अवैध शराब के विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की गईए जिसमें कुल 04 स्थानों पर दबिश दी गई। इस कार्रवाई में 32 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जप्त की गईए जिसकी कुल कीमत 3200 है। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

पाण्डवनगर तालाब में लोगो ने श्रमदान कर दिया जल संरक्षण का संदेश

विजय मत, शहडोल

जल है तो कल है, आओ मिलकर कदम बढ़ाएं÷ जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य भी किये जा रहे हैं। यह जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय, जनभागीदारी, आमजन और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जा रहा है।

संभागीय मुख्यालय शहडोल के कॉन्वेंट स्कूल शहडोल स्थित तालाब में नगर पालिका शहडोल द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत साफ सफाई का कार्य किया गया जिसमें नगर पालिका शहडोल के कर्मचारी, स्थानीय निवासी सहित अन्य लोगों ने साफ सफाई कार्य में श्रमदान किया तथा जल के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया

गांधी स्टेडियम में एथलेटिक्स खिलाड़ियों को दिया गया प्रशिक्षण

विजय मत, शहडोल

मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण युवाओं को निःशुल्क खेल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संभागीय मुख्यालय शहडोल के महात्मा गांधी स्टेडियम में कोच श्री धीरेंद्र सिंह (एन आई एस) एथलेटिक्स कोच द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया गया। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर दक्षिण पूर्व मध्य मिश्रित हाई स्कूल रेलवे शहडोल में रहीम खान पीटीआई द्वारा खो-खो खेल का प्रशिक्षण दिया गया। स्वर्गीय जयपाल सिंह मुंडा खेल मैदान में फुटबॉल खेल सहित अन्य खेल विधाओं का प्रशिक्षण युवाओं को दिया गया। गौरतलब है कि 12 जून 2025 तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

सनराइजर्स हैदराबाद पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी लखनऊ सुपरजायंट्स

लखनऊ, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को लखनऊ सुपरजायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर बड़ी जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। इस मैच में अगर सुपरजायंट्स हार तो वह लीग से बाहर हो जाएगी। इस लीग में अब तक टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। उसके कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं जिसके कारण भी टीम को नुकसान हुआ है। ऐसे में ऋषभ इस मैच में बड़ी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक इस सत्र में निकोलस पूरन ने टीम की ओर से

शाम 7:30 बजे से होगा मैच

काफी अच्छी बल्लेबाजी की है पर अब अन्य खिलाड़ियों को भी रन बनाने होंगे। उसकी गेंदबाजी शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप पर आधारित रहेगी। सुपर जायंट्स की टीम के नाम अब तक 11 मैचों में 10 अंक है पर उसका नेट रन रेट माइनस 0.469 है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे अपने बचे हुए तीनों मैचों को बड़े अंतर से जीतना होगा।

दूसरी ओर पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लखनऊ का खेल बिगाड़ना रहेगा। सनराइजर्स की टीम में शामिल युवा नीतीश कुमार रेड्डी और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करने का प्रयास करेंगे। अब तक ये दोनो बड़ी पारियां नहीं खेल पाये हैं। आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अब तक 311 रन बनाये हैं और वह इस मैच में बड़ी पारी खेलने का प्रयास करेंगे। लखनऊ की टीम की सबसे बड़ी परेशानी कप्तान का रन नहीं बनाना है। वह इस सत्र में केवल एक बार ही पचास से अधिक रन बना पाये हैं। रन उन्होंने इस सत्र के 11 मैचों में 100 से कम की स्ट्राइक-रेट और 12.80 की औसत से केवल 128 रन ही बनाए है। मो शमी, राहुल चाहर सहित उसके गेंदबाज अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद-पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायडे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रेविस हेड, हर्षल पटेल, कामिन्दु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स-ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, शमरा जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, अर्शिन कुलकर्णी।

जीत का जश्न

लंदन में एफए कप फुटबॉल में क्रिस्टल पेलेस के मार्क गुहेई व जोइल वार्ड ट्रॉफी उठाये हुए। इस दौरान अन्य खिलाड़ी भी नजर आ रहे।

बीडीसीए अध्यक्ष ने किया अरेरा प्रीमियर लीग का उद्घाटन

शिवाजी और जयहिंद हाउस ने जीता मैच

विजय मत, भोपाल

आज अरेरा प्रीमियर लीग इण्टर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ श्री ध्रुवनारायण सिंह जी ने करते हुए सभी प्लेयर्स और पालकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमने बीडीसीए विकास का संकल्प लिया है और हम आप सभी के सहयोग से निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं। सभी लगन के साथ मेहनत कर रहे हैं।

प्रतियोगिता का उदघाटन मैच अंडर 12 एज ग्रुप में पृथ्वी राज सिंह चौहान और छत्रपति शिवाजी हाउस के बीच खेला गया जिसमें शिवाजी हाउस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की और पृथ्वी हाउस को निर्धारित 25 ओवर्स में 83 रनों पर आल आउट कर दिया। यशराज सोलंकी ने सर्वाधिक 22 और धैर्य थापक ने 20 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में नीलकंठ कामदार ने 3 अक्षांश अहिरवार और आध्या रानडे ने 2-2 और रुद्रांश और अगस्त्य तिवारी ने 1-1 विकेट्स लिए। जवाब में शिवाजी हाउस ने 7 विकेट के नुकसान पर 84 रन बनाकर मैच 3 विकेट से जीता। पृथ्वी हाउस की ओर से धैर्य थापक ने 2 विकेट लिए। शिवाजी ने पृथ्वी हाउस के 4 बल्लेबाजों को रन आउट किया। दूसरा मैच अंडर 14 एज ग्रुप में 30-30 ओवरों का जयहिंद और सत्यमेव हाउस के बीच खेला गया सत्यमेव ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाए । जिसमें विवान द्विवेदी ने 44, युवराज सिंह ठाकुर ने 25 जलज शर्मा ने 16 और युवराज जाट ने 14 रन बनाए। जयहिंद की ओर से सुधांशु शुक्ला प्रियांशी सिंह ने 2-2 रुद्राक्ष और आराध्य ने 1-1 विकेट लिए। जवाब में जयहिंद ने 6 विकेट के नुकसान 128 रन बनाकर मैच 2 विकेट से जीता। केतन रेवाड़ीकर ने 32 अंजलि राजपूत ने 26 अथर्व ने 14 रन बनाए।

सत्यमेव की ओर से चारू शर्मा ने 4 और शानवी मंडलोई ने 2 विकेट लिए। केतन रेवाड़ीकर और चारू शर्मा को ज्वाइंट प्लेयर ऑफ मैच दिया गया। उदघाटन के अवसर पर खेल प्रमोटर श्री संजय गुप्ता और भोपाल की इंटरनेशनल प्लेयर सौम्या तिवारी विशेष अतिथि रहे। साथ में बीडीसीए उपाध्यक्ष अविनाश पाठक, चयनकर्ता अरविंद वर्मा, अकादमी के मुस्सवर हुसैन मुकेश भटनागर मानसिंह सहित पालक गण एवं प्लेयर्स उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन सचिव हेमन्त कपूर और मुख्य कोच सुरेश चैनानी ने किया।

धोनी का संन्यास अभी नहीं! 2026 में भी खेल सकते हैं आईपीएल

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल और लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक हैं। 43 साल की उम्र में भी वे मैदान पर पूरी ऊर्जा के साथ खेल रहे हैं। हालांकि आईपीएल 2025 का सीजन उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खास अच्छा नहीं रहा। टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और खुद धोनी का प्रदर्शन भी अपेक्षित स्तर का नहीं रहा। ऐसे में यह चर्चा जोर पकड़ने लगी थी कि क्या यह धोनी का आखिरी सीजन है और क्या वे अब हमेशा के लिए क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। लेकिन एक नई रिपोर्ट ने उनके फैंस के लिए बड़ी राहत की खबर दी है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े सूत्रों का मानना है कि धोनी अभी टीम को छोड़ने के मूड में नहीं हैं। टीम के भीतर कई ऐसी चीजें हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है और इसके लिए धोनी की अनुभव और नेतृत्व की जरूरत है। यही वजह है कि फ्रेंचाइजी के लोग मानते हैं कि अगर धोनी की फिटनेस ने उनका साथ दिया, तो वह आईपीएल 2026 में भी येलो जर्सी में नजर आ सकते हैं।

क्रिकेटर अपनी क्षमता का पूरा उपयोग तब करते हैं जब उन्हें पता होता है कि वे कौन हैं: राहुल द्रविड़

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का उन सभी लोगों के लिए मंत्र है जो पेशेवर रूप से इस खेल को अपनाना चाहते हैं, खुद को समझें और एक क्रिकेटर के रूप में अपनी अधिकतम क्षमता को उजागर करें।

द्रविड़, जो भारत को टी20 विश्व कप जीत दिलाने के बाद मौजूदा सीजन में आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के साथ काम कर रहे हैं, ने हल्ला बोल के एक एपिसोड के दौरान जियो हॉटस्टार से बात की। टेस्ट क्रिकेट में भारत के दूसरे सर्वोच्च स्कोरर द्रविड़ ने कहा, सिर्फ

क्रिकेट में अच्छा होना और सिर्फ क्रिकेट का अभ्यास करना निश्चित रूप से आपको कुछ दूरी तक ले जाएगा, लेकिन वास्तव में अच्छे खिलाड़ी, महान खिलाड़ी जिनके साथ काम करने या ड्रेसिंग रूम साझा करने का मुझे सौभाग्य मिला है, उन सभी में एक सामान्य बात जो मैंने देखी है, वह यह है कि वे वास्तव में जानते हैं कि वे कौन हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यदि आप एक व्यक्ति के रूप में अपने बारे में जानते हैं और एक व्यक्ति के रूप में विकसित होते हैं, तो आप स्वयं को अपनी क्षमता को अधिकतम करने का सर्वोत्तम अवसर देते हैं। द्रविड़ का मानना है कि खेल प्रतिभा का उपहार ही किसी व्यक्ति को इतनी दूर तक ले जा सकता है। द्रविड़ ने वीडियो में कहा, आपको सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर बनने के लिए प्रतिभा दी गई है, आपको एक व्यक्ति के रूप में भी विकसित होने की जरूरत है और आपको अपनी क्षमता को अधिकतम करने के लिए मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह खुद को समझने की जरूरत है।

बिजनेस

भारती एयरटेल समूह पर 43,980 करोड़ की पर्याप्त एकमुश्त देनदारी लगाई गई

एजीआर मामला: सुप्रीम कोर्ट से वोडाफोन आइडिया के बाद अब एयरटेल ने लगाई गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी

वोडाफोन आइडिया के बाद अब भारती एयरटेल और भारती हेक्साकॉम ने समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया मामले में राहत की मांग कर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। इस याचिका में कहा गया है कि एजीआर बकाया ने दोनों भारती कंपनियों की दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बने रहने और अपने परिचालन को बनाए रखने की क्षमता को प्रभावित किया है। यह हमारे भ?विष्य पर असर डाल सकता है। याचिकाकर्ता कंपनियों ने एक दशक में लाइसेंस शुल्क और मुकदमे के जरिए

लगभग 75,000 करोड़ रुपये का सरकारी खजाने में योगदान दिया है। इसके साथ ही जीएसटी भी दिया गया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 22,000 करोड़ रुपये था। एजीआर फैसले के जरिए भारती एयरटेल समूह पर 43,980 करोड़ रुपये की पर्याप्त एकमुश्त देनदारी लगाई गई और इसे 31 मार्च, 2031 को समाप्त होने वाली 10 साल की अवधि के भीतर सरकार को चुकाया जाना है। मूल राशि 9,235 करोड़ रुपये ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज जोड़कर 43,980 करोड़ रुपये हो गई। इससे पहले गुरुवार को वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की, जिसमें एजीआर बकाया से जुड़े ब्याज, जुर्माने और जुर्माने पर ब्याज में 45,000 करोड़ रुपये से अधिक की छूट की मांग की गई। करीब 20 करोड़ ग्राहकों को सेवा देने वाली इस दूरसंचार कंपनी ने राहत न मिलने पर वित्तीय संकट की चेतावनी दी है।

मूडीज ने घटाई अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग, निवेशकों को मिली चेतावनी

बढ़ सकती हैं ब्याज दरें

नई दिल्ली, एजेंसी

मूडीज रेटिंग्स ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग को ट्रिपल ए से घटाकर एए1 कर दिया। यह पहली बार है जब मूडीज ने 1917 के बाद अमेरिका को परफेक्ट क्रेडिट स्कोर से वंचित किया है। इससे अमेरिकी निवेशकों को उधार लेने के लिए महंगा होने की संभावना है, क्योंकि ब्याज दरें बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव महंगाई और टैरिफ पर हो सकता है। मूडीज ने कहा कि पिछले दशक में अमेरिका का सरकारी कर्ज और ब्याज भुगतान का अनुपात बढ़ गया है, जो अन्य रेटिंग वाले देशों से अधिक है। एजेंसी का अनुमान है कि अमेरिका की उधारी की जरूरत और बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था पर दबाव डालेगी। रेटिंग को स्थिर आउटलुक दिया गया है, लेकिन फेडरल रिजर्व की नीतियां अब भी मजबूत और स्वतंत्र मानी जाती हैं। मूडीज के फैसले ने अमेरिका में राजनीतिक बहस को बढ़ावा दिया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने इसके लिए बाइडन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। वे कहते हैं कि ट्रंप प्रशासन और रिपब्लिकन बाइडन के गलत नीतियों को सुधारने के लिए काम कर रहे हैं।

क्लिक: भारत में ग्राहक आधार 1,000 को पार करने के लिए तैयार

ऑरलैंडो। कृत्रिम मेधा क्षेत्र के अग्रणी कंपनी क्लिक ने भारतीय बाजार में वृद्धि को लेकर आशान्वित होने का इजहार किया है। कंपनी के एक अ?धिकारी ने बताया कि क्लिक ने पिछले दो साल में अपने कारोबार को दोगुना किया है और ग्राहकों की संख्या अब 800 से भी ज्यादा हो गई है। उनके अनुसार इस साल कंपनी का ग्राहक आधार 1,000 को पार कर जाएगा। उन्होंने डेटा विश्लेषण और एआई रणनीति में भागीदारी के लिए कई छोटे और मझोले कारोबारों के साथ भविष्य की योजना की बात की। उन्होंने कहा कि क्लिक के भारतीय शाखा में मात्र एक्सपैंशन हुई है और कर्मचारी संख्या में भी वृद्धि हुई है। कंपनी ने पिछले 16 माह में भारत में कर्मचारियों की संख्या दोगुनी कर दी है और नियुक्तियों का कार्य जारी रहेगा। वे भारतीय बाजार में तेजी से आगे बढ़ने के संकेत का समर्थन करते हुए निवेश के साथ एक वीरपंथी किरदार बनाने का दावा कर रहे हैं। क्लिक ने हाल ही में भारत में एक बड़े निवेश के साथ डेटा सेंटर खोला है, जो भारतीय बाजार के लिए नई सेवाएं प्रदान करेगा। यह कॉन्फिगरेशन के साथ क्लाउड ढांचे को बढ़ाने और भारतीय बाजार के साथ प्रतिबद्धता को गहरा करने में मदद करेगा।

भारत के कोयले का आयात 2024-25 में घटकर 26.35 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली। भारत में कोयले का आयात वित्त वर्ष 2024-25 में 1.7 प्रतिशत घटकर 26.35 करोड़ टन रहा है। इसके सम्बंधित पिछले वित्त वर्ष, 2023-24, में देश कोयले का 26.82 करोड़ टन आयात करता था। इस वर्ष गैर-कोकिंग कोयले का आयात 16.71 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की 17.59 करोड़ टन से कम है। कोकिंग कोयले का आयात 5.40 करोड़ टन है जो पिछले वर्ष की 5.72 करोड़ टन से कम है। एक ई-कॉमर्स मंच द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार मार्च में कोयले का आयात 2.27 करोड़ टन रहा जो पिछले वर्ष की 2.39 करोड़ टन की मुकाबला है। मार्च में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.48 करोड़ टन है जो 2023-24 के समान महीने की 1.53 करोड़ टन का है। मार्च में कोकिंग कोयले का आयात 44.1 लाख टन है जो 2023-24 के समान महीने की 53.4 लाख टन से कम है। वित्त वर्ष 2024-25 में कुल कोयले उत्पादन एक अरब टन के आंकड़े को पार कर गया है। अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में कोयले उत्पादन 104.75 करोड़ टन है, जो 2023-24 में 99.78 करोड़ टन का था। इस तरह वित्त वर्ष के दौरान कोयले का उत्पादन 4.99 प्रतिशत बढ़ गया है।

ईबीपी मंच पर इलेक्ट्रॉनिक बुक व्यवस्था अनिवार्य

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 20 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निजी नियोजन के लिए ईबीपी मंच पर इलेक्ट्रॉनिक बुक व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया है। यह प्रावधान ईबीपी मंच की दक्षता और सुरक्षा को बढ़ाने में मदद करेगा। सेबी के नए परिपत्र के अनुसार, अब निजी नियोजन के लिए 20 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निर्गम आकार की ऋण या बॉन्ड प्रतिभूतियों, एनसीआरपीएस और म्यूनिसिपल बॉन्ड जैसे अनुभागों के लिए भी ईबीपी मंच का उपयोग अनिवार्य होगा। अब तक निर्गम आकार वाले बॉन्ड प्रतिभूतियों के सभी निजी नियोजन के लिए ईबीपी मंच का प्रयोग अनिवार्य था, लेकिन अब रीट और इनविट भी इसमें शामिल होंगे। सेबी ने इसमें इन्फास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) और रियल एस्टेट इन्फास्ट्रक्चर ट्रस्ट (आरईआईटी) को भी शामिल कर दिया है। इस पहल से इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रदाता के मंच की महत्वपूर्णता और प्रभाव बढ़ेगा।

आरबीआई जल्द जारी करेगा नए 20 रुपये के नोट

- नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के होंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने घोषित किया है कि जल्द ही महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 20 नए नोट जारी किए जाएंगे। इन नोटों में गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन नए नोटों का डिज़ाइन पहले से चल रहे 20 रुपए के महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के नोटों के सामान होगा। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि पहले जारी किए गए सभी 20 के नोट, चाहे वह किसी भी गवर्नर की हस्ताक्षर से हों, पूरी तरह से वैध और लेन-देन में इस्तेमाल करने योग्य रहेंगे। आरबीआई के नए गवर्नर के कार्यभार संभालने के बाद जारी किए जा रहे नोटों का उद्घाटन एक सामान्य प्रक्रिया है। इससे पुराने 20 के नोटों की वैधता या मूल्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा। आरबीआई द्वारा जारी सभी बैंक नोटों की वैधता उस समय तक बनी रहेगी, जब तक उन्हें आधिकारिक रूप से बंद नहीं किया जाता। देशवासियों को ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि पुराने 20 के नोट अपनी वैधता का संरक्षण करेंगे और इन्हें बिना किसी जाँच-परख या चिंता के इस्तेमाल किया जा सकता है। रिज़र्व बैंक द्वारा जारी सभी नोटों का व्यापक उपयोग देशभर में होगा, जब तक उन्हें वापस नहीं लिया जाता।

कंपनियों के तिमाही परिणाम और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की चाल

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की उम्मीदें भी बाजार को दे सकती हैं सकारात्मक दिशा

मुंबई, एजेंसी

बीते सप्ताह करीब चार प्रतिशत तक चढ़े भारतीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से कंपनियों के मार्च तिमाही के नतीजों, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों और वैश्विक संकेतों पर निर्भर करेगी। प्रमुख कंपनियों जैसे ओएनजीसी, हिंडाल्को, आईटीसी और पावर ग्रिड के परिणामों पर निवेशकों की नजर रहेगी। हाल ही में एफआईआई ने बाजार में भारी निवेश किया है, जिससे तेजी देखने को मिली है। वहीं, अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध में नरमी और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की उम्मीदें भी बाजार को सकारात्मक दिशा दे सकती हैं। इस सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की दिशा कई प्रमुख कारकों पर निर्भर करेगी। इनमें सबसे महत्वपूर्ण हैं कंपनियों

के मार्च तिमाही के वित्तीय परिणाम, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश व्यवहार और वैश्विक बाजारों का रुझान। विशेषज्ञों का मानना है कि इन तीनों घटकों की गतिविधियों पर निवेशकों की पैनी नजर बनी रहेगी। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि भारत-पाक तनाव कम होने और अन्य प्रमुख भू-राजनीतिक जोखिमों के पीछे हटने से अब निवेशकों का ध्यान कंपनियों के तिमाही प्रदर्शन पर केंद्रित हो गया है। इसके साथ ही भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार समझौते की खबरें भी बाजार की धारणा को सहारा दे सकती हैं। देश के भीतर के घटनाक्रम के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक संकेत और व्यापार समझौते से जुड़ी खबरें भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार भारत अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क में कटौती करने को तैयार है और दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता जल्द हो सकता है। इस सप्ताह पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, सन फार्मा, आईटीसी, और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी प्रमुख कंपनियां अपने नतीजे पेश करेंगी। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि जब तक कोई बड़ा वैश्विक या घरेलू समाचार नहीं आता, तब तक बाजार की चाल पूरी तरह इन कंपनियों के प्रदर्शन पर निर्भर रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि एफआईआई की खरीदारी में आई तेजी बाजार को मजबूत सहारा दे सकती है।

भोपाल-इंदौर समेत 30 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

विदिशा, राजगढ़ जिले में तेज हवाओं के साथ पानी गिरा, 10 जिलों में लू का अलर्ट

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में रविवार को भी कई जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी है। विदिशा जिले के सिरोंज और राजगढ़ जिले के ब्यावरा में दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत 30 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश के सिंगरौली, भोपाल, बैतूल, उज्जैन और आगर में तेज आंधी चल सकती है। यहां गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की

संभावना जताई गई है।

वहीं, पांढुर्णा, डिंडौरी, बड़वानी, धार, बुरहानपुर, खरगोन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, इंदौर, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर में भी बारिश होने की संभावना है। विदिशा, मुरैना, गुना, अशोकनगर, सागर, रीवा, मऊगंज, सीधी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, शिवपुरी और अनूपपुर में भी मौसम बदल सकता है।

इसलिए हो रहा ऐसा मौसम... *सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम इन दिनों एक्टिव है। इनका असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। इस कारण आंधी और बारिश हो रही है। अब गर्मी का असर भी देखने को मिल रहा है। अगले चार दिन तक आंधी, बारिश के साथ लू का भी अलर्ट है।*

ग्वालियर, गुना और खजुराहो में तापमान 43 डिग्री के पार

दूसरी ओर प्रदेश के कई जिलों में गर्मी का असर भी दिखाई दे रहा है। अगले 4 दिन यानी, 21 मई तक दिन में लू चलने का अलर्ट है। ग्वालियर, गुना, खजुराहो, सीधी, शिवपुरी और टीकमगढ़ में पारा 43 डिग्री या इससे अधिक रहा। मौसम विभाग के अनुसार, खजुराहो में 43.8 डिग्री, ग्वालियर-गुना में 43.7 डिग्री, सीधी में 43.4 डिग्री, शिवपुरी-टीकमगढ़ में पारा 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सतना, रीवा, दमोह, उमरिया, सागर, रायसेन, रतलाम, खंडवा में पारा 40 डिग्री से अधिक रहा। बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर में 37.4 डिग्री, भोपाल में 39.1 डिग्री, उज्जैन में 39 डिग्री और जबलपुर में 39.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

इन जिलों में सबसे ज्यादा गर्मी रहेगी

मौसम विभाग की मानें तो मई महीने में ग्वालियर, छतरपुर, नरसिंहपुर, निवाड़ी, मैहर, टीकमगढ़, भिंड, दतिया, खरगोन, बड़वानी, खंडवा, मुरैना, राजगढ़, रायसेन, शाजापुर, श्योपुरकलां, शिवपुरी और विदिशा जिलों में पारा 45 डिग्री या इससे ज्यादा रहने का अनुमान है। इनमें ग्वालियर-चंबल संभाग के साथ मालवा-निमाड़ के कुछ शहरों में भी तेज गर्मी रहेगी। छतरपुर के खजुराहो और नौगांव, निवाड़ी के पृथ्वीपुर में पारा 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। भोपाल में पारा 44 से 45 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है जबकि इंदौर, जबलपुर और उज्जैन में भी पारा इतना रह सकता है। बड़े शहरों में ग्वालियर में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ेगी। यहां पारा 46-47 डिग्री के बीच पहुंचने का अनुमान है।

डॉ. अरुण खोबरे विश्व की सबसे बड़ी श्रीरामचरित मानस के लिए हुए सम्मानित

- उच्च शिक्षा मंत्री, म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के चेयरमैन, पीपुल्स यूनिवर्सिटी ने किया सम्मानित

विजय मत, भोपाल

कवि एवं प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार खोबरे (अरुण अज्ञानी) को विश्व की सबसे बड़ी श्रीरामचरित मानस लिखने पर पीपुल्स यूनिवर्सिटी में सम्मानित किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के चेयरमैन डॉ. भरत शरण सिंह, पीपुल्स यूनिवर्सिटी की प्रो. चांसलर श्रीमती मेघा विजयवर्गीय ने उन्हें सम्मानित किया। ÷समग्र शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता÷ पर पिछले दिनों आयोजित गरिमामयी आयोजन में पीपुल्स विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. हरीश राय, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. खेमसिंह डहेरिया भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शिक्षक के साथ जनसंपर्क अधिकारी, विशेष अधिकारी, संपादक, सांस्कृतिक समन्वयक आदि का दायित्व भी निभा संभाल रहे डॉ.अरुण खोबरे का नाम कुछ दिनों पूर्व लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ था। इससे पहले उनका नाम विश्व की कई रिकॉर्ड बुक जिनमें ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड,भारत वर्ल्ड रिकॉर्ड,ग्लोबल गोल्ड टैलेंट बुक ऑफ रिकॉर्ड,मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड, रॉयल सक्सेस इंटर नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड,वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड,गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड आदि में भी दर्ज हो चुका है। डॉ. खोबरे को इंडियन आइकॉन अवॉर्ड,एक्स्ट्रा आर्डिनरी पर्सनालिटी ऑफ इंडिया, संतभूरा भगत रत्न राष्ट्रीय सम्मान,उत्कृष्ट मीडिया गुरु शिक्षक सम्मान 2022, कतिया विभूति सम्मान, इंडियाज बेस्ट मीडिया टीचर अवॉर्ड,उत्कृष्ट लोक कवि सम्मान, ग्लोबल एपेक्स अवॉर्ड, एक्स्ट्रा आर्डिनरी पर्सनालिटी ऑफ वर्ल्ड समेत और भी कई सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के बदनूर में जन्मे डॉ. खोबरे ने कहा कि भगवान श्रीराम और हनुमान जी की प्रेरणा और कृपा से ही वह यह कर पाए हैं, इसलिए इस सम्मान को वे रामजी और हनुमान जी को समर्पित करते हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रेरणा भारद्वाज को पुन: मेयर चुने जाने पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय मूल की सुप्रेरणा भारद्वाज को बकिंघमशायर(यूनाइटेड किंगडम) काउंसिल में एक बार पुन: मेयर चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सुभारद्वाज ने अपनी यह उपलब्धि बाबा महाकाल और मां बगलामुखी को समर्पित की है, जो अपनी मातृभूमि से उनके सतत् जुड़ाव के संस्कार का प्रेरणादायक प्रमाण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुभारद्वाज के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि हमारी बहन प्रेरणा भारद्वाज अपने सेवा कार्यों और समर्पण से भारत राष्ट्र की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों पर प्रतिस्थापित करेंगी।

प्रदेश की नगरीय निकाय प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिये शहरी सुधार कार्यक्रम

भोपाल। प्रदेश के नगरीय निकाय प्रणाली में सुधार कर पारदर्शिता लाने और कार्यक्षमा में वृद्धि करने के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शहरी सुधार कार्यर्ƒ म योजना लागू की है। नगरीय निकायों की लेख प्रणाली के संभूति आधारित द्विप्रविष्टीय लेखा प्रणाली में परिवर्तन करने के लिये कार्य किया गया है। प्रदेश की 369 निकायों में यह कार्य पूर्ण किया जा चुका है। नवगठित 44 निकायों में निविदाएं आमंत्रित करने की कार्रवाई तेजी से की जा रही है। प्रदेश के नगरीय निकायों में जी.आई.एस. आधारित मानचित्र तैयार कर संपत्तिकर के दायरे और वसूली में वृद्धि किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। जीआईएस आधारित बहुउद्देशीय पारिवारिक सर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत प्रदेश की सभी 413 नगरीय निकायों का आधार मानचित्र कार्य पूरा कर लिया गया है।

नवाचार से गतिमान हुआ सहकारी आंदोलन, एक वर्ष की उपलब्धियाँ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग में नित नये नवाचार किये जा रहे हैं और नवाचार से गति पकड़ता जा रहा है मध्यप्रदेश सहकारी आंदोलन गतिमान हुआ है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भोपाल के राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन में बताया कि राज्यों में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा। उन्होंने शत-प्रतिशत उपलब्धि के लिये प्रदेश की सराहना की। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के लिये लगभग हर माह सहकारिता संबंधी आयोजन करने का संकल्प लेकर काम किया जा रहा है। इसमें अधिकारियों-कर्मचारियों के आचरण और व्यवहार की ऑनलाइन ट्रेनिंग करवायी जा रही है। नवाचार और अच्छा कार्य करने वालों को साल के अंत में उत्कृष्ट कर्मी के रूप में सम्मानित भी किया जायेगा।

भोपाल में डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण

पत्रकारों का तीर्थस्थल है माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय: विजयवर्गीय

विजय मत, भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि किसी शहर के संग्रहालय और शिक्षण संस्थान धरोहर के समान हैं इनका समृद्ध होना समाज के गौरव को बढ़ाता है। उन्होंने माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय के गौरवशाली इतिहास की प्रशंसा की। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि आधुनिक युग में नौजवान पीढ़ी के लिये डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा बहुत उपयोगी रहेगी। मंत्री विजयवर्गीय रविवार को भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के मौके पर डिजिटल लाइब्रेरी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में संग्रहालय की स्थापना से लेकर अब तक के सफर में सहयोग करने वाली संस्थाओं और हस्तियों का सम्मान किया गया।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। उनके इस संकल्प को शैक्षणिक संस्थानों को समृद्ध करके पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सप्रे संग्रहालय की शुरूआत एक छोटे स्वरूप में हुई थी। लगभग पिछले 4 दशकों में इस संस्थान ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर ली है। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री सुरेश पचौरी ने अपने उदबोधन में कहा कि विजयदत्त श्रीधर ने अपनी लगन से भोपाल शहर को एक अमूल्य धरोहर दी है, जिसका लाभ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को निरंतर मिलता रहेगा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री पचौरी ने भारतीय स्टेट बैंक के सीएसआर फंड से दी जाने वाली मदद को सराहनीय बताया।

संस्थान के संस्थापक सदस्य विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान पुस्तकालय सेवा के 3 प्रारूप में कार्यरत है। पत्रकार एवं पाठक वर्ष 1984 से इसका लाभ उठा रहे हैं।

इस माह डेंगू के केस 44 पार

राजधानी में डेंगू के केस दोगुने, चिकनगुनिया 8 गुना बढ़ा

विजय मत, भोपाल

भोपाल में इस बार बारिश से पहले ही डेंगू और चिकनगुनिया जैसे मच्छर जनित रोगों का खतरा तेजी से बढ़ गया है। मई में ही डेंगू के केस 44 पार कर गए हैं, जबकि चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या 8 गुना बढ़कर 56 पहुंच चुकी है। बीते साल मई तक ये आंकड़ा महज 7 था। सबसे चिंताजनक बात यह है कि रोग रोकथाम की जिम्मेदारी संभालने वाला मलेरिया विभाग इस बार पूरी तरह नाकाम नजर आ रहा है। न तो कोई जागरूकता कैंप आयोजित किया गया, न ही एक भी कार्यशाला हुई है। विभाग के पास स्टाफ की भारी कमी है, छिडक़ाव और फॉगिंग भी सिर्फ दिखावे तक सीमित है।

विशेषज्ञों ने चेताया है कि बुखार, बदन दर्द या उल्टी जैसे लक्षण नजर आएं तो बिना देर किए

एलाइजा टेस्ट कराएं, जो शहर के चुनिंदा अस्पतालों में मुफ्त उपलब्ध है। वहीं साल 2024 में मई माह तक चिकनगुनिया के 7 केस सामने आए थे। जबकि इस साल यह आंकड़ा 56 पहुंच गया है। इसी तरह डेंगू की बात करें तो बीते साल मई तक 28 तो इस साल 44 से अधिक सामने आ चुके हैं। यह आंकड़े चिंताजनक हैं। इसकी वजह भी है। दरअसल, जब बीते साल मानसून से पहले तक चिकन गुनिया के सिर्फ 9 केस थे तो यह सीजन में बढक़र 300 के पार पहुंच गए और पूरे साल में कुल 340 केस दर्ज हुए।

बुखार आए तो कराएं एलाइजा टेस्ट

जेपी अस्पताल के मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. योगेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि यदि लगातार बुखार आ रहा है। मांसपेशियों और आंखों के पीछे दर्द हो रहा है तो उन्हें डेंगू की जांच कराना चाहिए। भोपाल में जय प्रकाश अस्पताल, हमीदिया, बीएमएचआरसी, एम्स अस्पताल में मुफ्त एलाइजा टेस्ट की सुविधा है। मरीजों को ध्यान रखना चाहिए कि एलाइजा टेस्ट से ही डेंगू कंफर्म माना जाता है।

रोकथाम के लिए नहीं पर्याप्त स्टाफ

डेंगू की रोकथाम के लिए जिम्मेदार मलेरिया विभाग के लगभग आधे पद खाली पड़े हैं। यही कारण की हर साल सबसे ज्यादा डेंगू के मामलों में प्रदेश में भोपाल का नाम शामिल रहता है। राजधानी में वर्तमान में 25 लाख की आबादी है। वहीं इस पूरी आबादी को डेंगू व अन्य मच्छरों से होने वाली बीमारी से बचाने के लिए मलेरिया विभाग के पास सौ से भी कम कर्मचारी मौजूद हैं।

सीहोर जिले के 2345 सिविल डिफेंस वालंटियर तैयार युद्ध समेत अन्य आपातकालीन समय में करेंगे काम

विजय मत, ब्यूरो, सीहोर

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में सिविल डिफेंस वॉलंटियर संगठन को मजबूत करने का अभियान सफल रहा। जिले में 2641 स्वयंसेवकों का नामांकन किया गया। 12 से 17 मई के बीच 2345 स्वयंसेवकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में स्वयंसेवकों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के गुर सिखाए गए। भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों बने युद्ध जैसे हालात को देखते हुए देश में आंतरिक सुरक्षा की भी तैयारी की जा रही है। युद्ध होने की स्थिति में सीमा पर सेना जंग लड़ेगी और सिविल डिफेंस की टीम भी गृह

युद्ध, दंगे और आपात स्थितियों के लिए तैयार रहेगी। जिला प्रशासन ने सिविल डिफेंस की टीम बनाने के लिए देशभक्ति और समाजसेवा में रुचि रखने वाले युवाओं को प्रशिक्षित किया। कलेक्टर बालागुरू के. और एसपी दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशानुसार, प्रशिक्षण के तहत सीहोर जिले में कुल 2641 सिविल डिफेंस वॉलंटियर नामांकित किए गए हैं। इसके तहत 12 मई से 17 मई तक आयोजित प्रशिक्षण में 2345 सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों को गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में स्वयंसेवकों ने उत्साह से भाग लिया और देश की सेवा के लिए पूरी तत्परता से कार्य करने की कसम खाई। इस प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों को विभिन्न आपातकालीन स्थितियों, जैसे युद्ध के समय हवाई हमले, आगजनी अथवा किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, अपनी और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीकों से अवगत कराना था।

प्रोजेक्ट की नोडल एजेंसी ने मुहली, झापन और सिंहपुर रेंज का निरीक्षण किया

रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व चीतों की बसाहट के लिए अनुकूल

विजय मत, भोपाल

सागर के वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीतों की बसाहट की 15 साल पुरानी संकल्पना साकार होते दिख रही है। भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) देहरादून ने चीते की बसाहट के लिए दो नए स्थान चिंहित किए हैं। जिनमें गुजरात के बन्नी ग्रासलैंड रिजर्व के अलावा सागर का रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व शामिल है। चीता प्रोजेक्ट की नोडल एजेंसी डब्ल्यूआईआई के अधिकारियों ने सागर पहुंचकर टाइगर रिजर्व में चीतों की बसाहट के लिए जंगल का निरीक्षण किया है। माना जा रहा है कि अगले वर्ष तक यहां चीतों की शिफ्टिंग हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व देश का पहला ऐसा वाइल्ड लाइफ एरिया होगा, जहां

बाघ, तेंदुओं के साथ चीता भी देखने को मिलेंगे। अभी रिजर्व में टाइगर और तेंदुए की बसाहट है। चीतों के आने से इस परिवार की तीन प्रजातियां हो जाएंगी। देश में चीतों की बसाहट के लिए डब्ल्यूआईआई ने सबसे पहले सागर के इस टाइगर रिजर्व को चिंहित किया था। वर्ष 2010 में यहां सर्वे किया गया था। जिसमें रिजर्व की तीन रेंज मुहली, सिंहपुर और झापन को चीता की बसाहट के अनुकूल माना गया था।

अधिकारियों ने तीन रेंजों का मुआयना किया

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के डीआईजी डॉ. वीबी माथुर और डब्ल्यूआईआई के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी के साथ वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व पहुंचकर मुहली, झापन और सिंहपुर रेंज का दो दिन तक मैदानी मुआयना किया। जानकारों के अनुसार यह तीनों रेंज चीता की बसाहट के लिए आदर्श स्थान हैं। यहां लंबे-लंबे मैदान हैं। जिनमें यह जीव दौडक़र शिकार कर सकेगा। इन तीनों रेंज का क्षेत्रफल करीब 600 वर्ग किमी है। जबकि रिजर्व का संपूर्ण क्षेत्रफल 2339 किमी है।

एम्स भोपाल द्वारा फार्माकोविजिलेंस एवं टीबी उपचार पर जागरूकता अभियान का आयोजन

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में फार्माकोलॉजी विभाग ने कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सहयोग से बकानिया (भोपाल) स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में फार्माकोविजिलेंस और क्षय रोग (टीबी) की डॉट थेरेपी के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एक जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को यह समझाना था कि फार्माकोविजिलेंस, यानी औषधियों के दुष्प्रभावों की निगरानी, दवाओं के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही,

इस अभियान के माध्यम से टीबी के मरीजों को डॉट (Directly Observed Treatment) थेरेपी का पूरा कोर्स करने के लिए प्रेरित किया गया और उनके संदेहों का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान संवादात्मक सत्रों और सहभागिता आधारित चर्चाओं के जरिए यह बताया गया कि दवाओं के दुष्प्रभावों की जानकारी देना क्यों जरूरी है और टीबी की दवाएं समय पर तथा पूरी तरह से लेना कितना महत्वपूर्ण है। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि डॉट थेरेपी का पालन न केवल मरीज के पूरी तरह ठीक होने के लिए आवश्यक है, बल्कि यह दवा-प्रतिरोधी टीबी को रोकने, बीमारी के फैलाव को कम करने और समग्र जनस्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी अहम भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, ऐसे जागरूकता अभियान स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होते है। फार्माकोविजिलेंस और टीबी उपचार के प्रति सही जानकारी और सतर्कता ही स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। जब हम समुदाय को दवाओं के सही उपयोग तथा निगरानी की समझ देते हैं, तभी हम बीमारियों को प्रभावी ढंग से रोक सकते हैं और जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ बना सकते हैं।

खास-खबर जल गंगा संवर्धन अभियान

जल गंगा संवर्धन जैसे अभियान ही कर सकते हैं जल संकट की वैश्विक चिंता का समाधान

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान पर्यावरण और जल संरक्षण, जल संरचनाओं के पुनरुत्थान और सांस्कृतिक चेतना का समवेत संगम बन गया है। मध्यप्रदेश सरकार ने इस अभियान' से जल संकट के समाधान के लिये गंभीर पहल की है। जल संकट देश-प्रदेश ही नहीं पूरी दुनिया की चिंता का विषय है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए तो यह जीवन-मृत्यु का विषय है। भविष्य की चिंताओं का समाधान आज के अभियान में जल संवर्धन के प्रयासों में निहित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान एक बहुस्तरीय आयोजन

है। इसका उद्देश्य राज्य के जल स्त्रोतों जैसे नदियों, तालाबों, झीलों, बावड़ियों, पुराने कुओं और जलधाराओं को पुनर्जीवित करना और उन्हें सतत रूप से संरक्षित करना है। यह अभियान सरकारी योजना से आगे बढ़कर अब जन आंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जल गंगा संवर्धन अभियान में जबलपुर जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिये संचालित की जा रही गतिविधियों का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने जनपद पंचायत कुंडेश्वर धाम के गुरैया गांव में बने खेत तालाब, कूप रिचार्ज निर्माण और बघराजी गांव में में लैगून पद्धति से जोगी तालाब के विस्तार एवं सुदृढीकरण के कार्य का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने बघराजी में जन समुदाय को संबोधित करते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में तत्परता से कार्य करने के लिए प्रशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश भर में ताल, तलैया, कुएं एवं बावड़ी सहित विभिन्न जल स्रोतों को संरक्षित करने के साथ ही प्राचीन जलस्त्रोतों को सूचीबद्ध कर उन्हें पुनर्जीवित किये जाने का पुनीत कार्य हो रहा है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कुंडेश्वर धाम के साथ ही हनुमान ताल में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण भी किया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला मो.-8889977997
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com